राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 322
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 03 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 केंद्र सरकार स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के बाद अब शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को भी झूठे केस में जेल भेजने की साजिश कर रही

पेज 5 'सम्राट पृथ्वीराज' यूपी में टैक्स फ्री, योगी कैबिनेट ने फिल्म देखने के बाद लिया फैसला

पेज 7 राष्ट्रमंडल खेल : थापा, पंघल और छह अन्य ने भारतीय मुक्केबाजी दल में स्थान पक्का किया

गार्ड ऑफ़ ऑनर

इज़राइल के रक्षा मंत्री, बेंजामिन गैंट्ज़ गुरुवार को नई दिल्ली में ट्राई-सर्विस गार्ड ऑफ़ ऑनर का निरीक्षण करते हुए।

कश्मीर में फिर टारगेट किलिंग

आतंकियों ने बैंक में घुसकर मैनेजर को गोली मारी

श्रीनगर। कश्मीर में आतंकवादियों ने एक और टारगेट किलिंग को अंजाम दे दिया है। राजस्थान के रहने वाले बैंक मैनेजर को गुरुवार को कुलगाम में बैंक में घुसकर गोली मार दी। 3 दिन पहले कुलगाम में ही एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इलाकाई देहाती बैंक के अधिकारियों ने कहा कि मोहनपोरा ब्रांच में विजय कुमार को आतंकवादियों ने गोली मारी। नाजुक हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। आतंकवादियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इधर, दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल और रॉ प्रमुख के साथ मीटिंग की है।

आतंकी संगठन कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। KFF ने चिट्ठी जारी कर चेतावनी भी दी है। संगठन ने कहा, जो भी कश्मीर के डेमोग्राफिक बदलाव में शामिल होगा, उसका यही अंजाम होगा। पत्र में आगे लिखा है, जो भी बाहरी लोग इस धोखे में रह रहे हैं कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें यहां स्थायी कर देगी, उनके लिए ये आंख खोलने वाला है। अब बाहरी लोगों को वास्तविकता समझ लेनी चाहिए कि उन्हें इसके लिए जान भी गंवानी पड़ेगी। सोचिए, कहीं देर न हो जाए और अगली बारी तुम्हारी हो।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद निशाने पर हिंदू

गृह मंत्रालय ने सदन में बताया कि अगस्त, 2019 से मार्च, 2022 तक, 4 कश्मीरी पंडितों और 14 /हिन्दू और गैर-कश्मीरी मजदूरों की हत्या हो चुकी है। अगस्त में केंद्र सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया था।

21 दिन में 7 टारगेट किलिंग

जम्मू-कश्मीर में एक महीने में 6 टारगेट किलिंग का मामला सामने आया है। 12 मई बडगाम में राहुल भट्ट (सरकारी कर्मचारी), 13 मई को पुलवामा में रियाज अहमद ठाकोर (पुलिसकर्मी), 24 मई को सैफुल्लाह कादरी (कांस्टेबल), 25 मई को अमरीन भट्ट (टीवी आर्टिस्ट) और 31 मई को कुलगाम में रजनी बाला (टीचर) की आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं आज बैंक मैनेजर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

कश्मीर में पंडितों का प्रदर्शन जारी

घाटी में 19 दिनों से कश्मीरी पंडितों का आंदोलन चल रहा है। प्रधानमंत्री रोजगार पैकेज के तहत नौकरी पाने वाले पंडित काम का बहिष्कार कर प्रदर्शन कर रहे हैं। ये घाटी में सबसे लंबे समय तक चलने वाला प्रदर्शन बन चुका है। रेवेन्यू विभाग के कर्मचारी राहुल भट की हत्या के बाद ये प्रदर्शन शुरू हुआ था। हालांकि, कश्मीर प्रशासन ने बुधवार को ऐलान किया था कि सभी कश्मीरी पंडितों को जिला मुख्यालय में पोस्टिंग दी जाएगी।

गेहूं की काला बाजारी पर खामोश है सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि देश में बड़े स्तर पर गेहूँ की कालाबाजारी और जमाखोरी हो रही है, लेकिन सरकार इस बारे में कुछ भी नहीं कर रही है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा कि देश के विभिन्न राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार आदि में गेहूँ की खरीद नहीं हो रही है और इसकी जमाखोरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि गेहूं ख़रीद में जमाखो़री और कालाबाज़ारी साफ़ है। उत्तरप्रदेश में गेहूँ खरीद लक्ष्य 60 लाख टन का, लेकिन खरीद 2.93 लाख टन की गई है। इसी तरह से बिहार में गेहूं खरीद लक्ष्य 10 लाख टन का है लेकिन ख़रीद 3.521 टन की गई। उत्तराखंड में गेहूं खरीद लक्ष्य 22 लाख टन, लेकिन ख़रीद मात्र 20 हजार टन हुई।

प्रवक्ता ने मोदी सरकार से सवाल करते हुए कहा कि गेहूँ खरीद में जमाखो़री और कालाबाज़ारी कर कितने लाखों करोड़ का घोटाला हो रहा है तो जमाखो़रों तथा कालाबाजारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई तथा छापेमारी क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने इसे गरीब-मध्यम वर्ग पर बतौर हमला करार देते हुए कहा कि वे अब महंगा गेहूँ खरीदने को मजबूर होंगे।

8 साल में 1 लाख करोड़ की संपत्ति जब्त

यूपीए के 9 साल में 4156 करोड़ की प्रॉपर्टी हुई थी अटैच

नई दिल्ली। मोदी सरकार के 8 साल में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई में तेजी आई है। ED की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2014 से मार्च 2022 के बीच 3,555 केस दर्ज किए और 99 हजार 355 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। अगर पिछली यूपीए सरकार की बात करें तो 9 साल यानी जुलाई 2005 से मार्च 2014 तक 1,867 केस दर्ज किए गए। यूपीए सरकार में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत 4,156 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 4 महीनों में 7,833 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की गई है और 785 नए केस दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा यूपीए सरकार के नौ साल के मुकाबले 88 प्रतिशत तक ज्यादा है। अप्रैल 2021 से 30 नवंबर 2021 तक देश में मनी लॉन्ड्रिंग के कुल 395 केस दर्ज हुए थे और 8,989.26 करोड़ रुपए की

संपत्ति अटैच की गई थी। देश में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 में लागू हुआ था। तब से मार्च 2022 तक कुल 5,422 केस दर्ज हो चुके हैं और 1.04 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा संपत्ति अटैच की जा चुकी है। इन मामलों में कुल 400 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 25 दोषी ठहराया गया है।

यूपीए के 9 साल में ईडी ने सिर्फ 112 छापे मारे थे, जबकि एनडीए के 8 साल में ही 2,974 छापे पड़े हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में केंद्र ने बताया कि 2004 से 2013-14 के बीच ईडी ने 112 छापे मारे थे। वहीं, अप्रैल 2014 से मार्च 2022 के बीच 2,974 छापे मारे गए।

रॉबर्ट वाड्रा से भी 11 से ज्यादा बार पूछताछ कर चुकी ईडी

2007 में रॉबर्ट वाड्रा ने स्काइलाइट हॉस्पिटैलिटी प्रा. लि. के नाम से एक कंपनी शुरू की थी। रॉबर्ट और उनकी मां मौरीन इसके डायरेक्टर थे। आरोप है कि इस कंपनी के नाम पर वाड्रा ने बीकानेर में कौड़ियों के भाव में जमीन खरीदी, फिर ऊंचे दाम पर बेच दी। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस किया। इस मामले में रॉबर्ट वाड्रा से अब तक 11 से ज्यादा बार पूछताछ हो चुकी है।

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल और सोनिया को नोटिस

प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को समन भेजा है। श्वष्ठ ने मनी लॉन्ड्रिंग केस (अंडर सेक्शन 50 एक्ट) में राहुल को 2 जून यानी आज और सोनिया को 8 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक राहुल ने बाहर होने का हवाला देकर इसके लिए वक्त मांगा है, जबकि सोनिया 8 जून को पूछताछ में शामिल होंगी।

एजेंसी ने नेशनल हेराल्ड केस की जांच में दोनों नेताओं को शामिल होने को कहा है। इस केस में श्वष्ठ ने कांग्रेस के 2 बड़े नेता पवन बंसल और मल्लिकार्जुन खड़गे को बीते 12 अप्रैल को जांच में शामिल किया था। 2012 में सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया और राहुल के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें स्वामी ने गांधी परिवार पर 55 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

देश में 35 फीसदी कोरोना केस बढ़े : पिछले 24 घंटे में 3,712 नए मामले, केरल-महाराष्ट्र ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना की रफ्तार बढ़ने लगी है। लंबे समय बाद कोरोना के मामले दो हजार से ऊपर रिकॉर्ड किए गए। पिछले 24 घंटे में 3,712 मामले सामने आए। मंगलवार को नए 2,745 लोग पॉजिटिव पाए गए थे। एक तरह से देखा जाए तो नए कोविड केसों में 35.4 प्रतिशत की उछाल हुई है। वहीं, 2,584 मरीज कोरोना से ठीक हुए। हालांकि, अच्छी बात ये रही कि मौत के मामले में गिरावट देखी गई। बीते दिन केवल 5 लोगों की मौत हो गई। देश में एक्टिव केस 18 हजार 131 दर्ज किए गए।

देश में सबसे ज्यादा मामले केरल और मुंबई से आए। बीते 24 घंटे में केरल में 1,197 लोग पॉजिटिव पाए गए, वहीं, महाराष्ट्र में 1,081 केस सामने आए। दोनों राज्यों के लिए यह स्थिति चिंता जनक है। राज्य के

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार महाराष्ट्र में 24 फरवरी के बाद सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं।

नए मामले आने के बाद देश में कुल मरीजों की संख्या 4.31 करोड़ हो गई। वहीं मौत का आंकड़ा 5.24 लाख के ऊपर चला गया। हालांकि, कोरोना की संक्रमण दर 0.04 प्रतिशत है, जबकि रिकवरी रेट 98.74 प्रतिशत दर्ज किया गया है। डेली पॉजीटिविटी रेट 0.60 प्रतिशत और वीकली पॉजीटिविटी रेट 0.63 प्रतिशत दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा डरने की जरूरत नहीं

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने महाराष्ट्र में नए ओमिक्रॉन मामलों पर लोगों को आश्वासन दिया कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है अभी किसी भी मरीज को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने ये बयान बढ़ते मामले को देखते हुए दिया है।

असल में कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सब-वेरिएंट BA.4 के चार और BA.5 के तीन मामले मिले थे। रोजाना मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन इस लहर में दूसरी लहर की तुलना में कम मौतें दर्ज की गई हैं।

केरल में सबसे ज्यादा केस

केरल में कोरोना के 1,197 नए केस मिले हैं, जिसके बाद एक्टिव केस 5,395 हो गए हैं। केरल में 2 मौतें दर्ज की गई है, जिसके बाद कोरोना से कुल मौतें 69 हजार 747 पहुंच गई हैं। केरल में 16 हजार 932 टेस्ट किए गए।

दिल्ली की स्थिति सामान्य

दिल्ली में मंगलवार को 368 नए केस मिले हैं, जिसके बाद एक्टिव केस 1,567 हो गए हैं। जबकि 404 मरीज ठीक हुए हैं। दिल्ली में पॉजीटिविटी रेट 1.74 प्रतिशत रह गया है। दिल्ली में एक दिन में कोरोना 21 हजार 147 की टेस्ट किए गए थे।

वडोदरा की नाइट्रेट फैक्ट्री में ब्लास्ट : प्लांट के तीन बॉयलर में लगातार 8 धमाके हुए, 15 कर्मचारी घायल

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले के नंदेसरी इलाके में दीपक नाइट्रेट नाम की एक कंपनी में गुरुवार दोपहर जबरदस्त ब्लास्ट हुआ। इसके बाद यहां भीषण आग लग गई। हादसे में 15 कर्मचारी घायल हैं। रेस्क्यू के लिए फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर मौजूद है। आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। हादसे के चलते वडोदरा हाईवे बंद कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज 10 किलोमीटर दूर तक सुनी गई।

बॉयलर में हुआ था विस्फोट

फायर ब्रिगेड के एक कर्मचारी के अनुसार ब्लास्ट एक बॉयलर में हुआ

था। इसके बाद आग पूरे प्लांट में फैल गई और इसकी चपेट में आकर कई दो अन्य बॉयलर भी फट गए। लोगों ने बताया कि एक के बाद एक लगातार 8 धमाके सुने गए। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां लगीं

फैक्ट्री में लगी आग इतनी भीषण है कि फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां आग बुझाने में लगाई गई हैं। फिलहाल फैक्ट्री के बाहरी हिस्से की आग पर काबू पा लिया गया है। अभी भी प्लांट के अंदर कई जगह आग धधक रही है।

कंपनी के बाहर एंबुलेंस भी तैयार रखी गईं

हालात बेकाबू होने के चलते फायर ब्रिगेड टीम ने ब्रिगेड कॉल जारी कर दी है। आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है और ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही हैं। कंपनी के बाहर दो-तीन एंबुलेंस भी तैयार रखी गई हैं। इसके अलावा सयाजी अस्पताल में 15 डॉक्टरों सहित 25 लोगों की टीम भी तैयार रखी गई है।

नींबू के बाद टमाटर की कीमतों में उछाल

कई शहरों में एक किलो टमाटर का दाम 100 रुपये के पार

नई दिल्ली। नींबू के बाद देश के कई शहरों में टमाटर की कीमतों में आग लगी हुई है। मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में टमाटर की कीमतें लगभग दोगुनी हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में टमाटर की कीमतें 70 रुपये किलो तक पहुंच चुकी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली को छोड़कर अन्य मेट्रो शहरों में टमाटर की खुदरा कीमतें बुधवार को एक महीने पहले की तुलना में 77 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा रखे गए आंकड़ों के मुताबिक 1 जून

को कोलकाता में टमाटर का खुदरा मूल्य 77 रुपये प्रति किलो हो गया है जो एक महीने पहले तक 30 रुपये किलो तक होता था। उसी तरह मुंबई में भी खुदरा टमाटर की कीमत जो अप्रैल में 36 रुपये किलो थी वो 1 जून को बढ़कर 74 रुपये किलो हो गई है। चेन्नई में टमाटर की कीमत अप्रैल महीने में 38 रुपये किलो थी जो अब बढ़कर 67 रुपये किलो हो गई है।

राजधानी दिल्ली में भी टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी दिल्ली में खुदरा टमाटर की कीमतें अप्रैल में 30 रुपये प्रति किलो थी जो 1 जून को बढ़कर 39 रुपये प्रति किलो तक चली गई है। इनके अलावा पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, कोट्टायम और पथानामथिट्टा में भी टमाटर की कीमतों में तेजी देखी गई है। इन इलाकों में टमाटर की कीमतें 100 रुपये किलो से अधिक पहुंच चुकी है।

आंकड़ों के मुताबिक टमाटर उत्पादक राज्य आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में टमाटर की खुदरा कीमतों में काफी तेजी देखने को मिल रही है। अलग-अलग शहरों में टमाटर की कीमतें 50 रुपये से 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पूरे देश में टमाटर की औसत कीमत में एक महीने के भीतर 77 प्रतिशत की तेजी देखी गई है।

व्यापारियों और विशेषज्ञों ने टमाटर की कीमतों में उछाल के लिए आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों को जिम्मेदार ठहराया है जहां मुख्य तौर पर टमाटर की खेती होती है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से टमाटर की आपूर्ति में कमी की वजह से खुदरा बाजार में टमाटर की कीमतों में उछाल आ रहा है।

परिवारवाद

नड्डा बोले- पिता अध्यक्ष और बेटा जनरल सेक्रेटरी, परिवारवाद की यह पॉलिसी भाजपा में नहीं चलेगी

नेताओं के बच्चों को टिकट नहीं देगी भाजपा

एजेंसी

भोपाल। नगरीय निकाय और अगले साल प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में टिकट का सपना देख रहे नेता पुत्रों को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बड़ा झटका दिया है।

बुधवार को अपने भोपाल दौरे पर उन्होंने साफ कर दिया कि किसी भी नेता पुत्र को टिकट नहीं मिलेगा। केंद्रीय संगठन ने जो पॉलिसी बनाई है, उसी हिसाब से टिकट का वितरण होगा।

भोपाल में बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक सवाल के

जवाब में उन्होंने आगे कहा कि संगठन ने तय किया है कि एक व्यक्ति को एक काम देना है।

यह केवल विधानसभा चुनाव नहीं, बल्कि निकाय चुनाव में भी लागू होगा। नड्डा ने क्कका उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कई सांसदों के बेटे अच्छा काम करने पर दावेदार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया। नेताओं के बेटे फिलहाल संगठन के काम में लगे रहें।

नड्डा ने समझाई परिवारवाद की परिभाषा

भोपाल में नड्डा ने कहा कि हमें परिवारवाद के कंसेप्ट को समझना होगा।

हमारा मानना है कि पिता अध्यक्ष, बेटा जनरल सेक्रेटरी। पार्लियामेंट्री बोर्ड में चाचा-ताया-ताई। यह परिवारवाद है। परिवारवाद की पार्टियों में PDP और नेशनल कांफ्रेंस (जम्मू कश्मीर), लोकदल (हरियाणा), शिरोमणि अकाली दल (पंजाब), समाजवादी पार्टी (उत्तरप्रदेश), राष्ट्रीय जनता दल (बिहार), TMC (पश्चिम बंगाल), ष्ठरूस्न (तमिलनाडु), कर्नाटक में कुमार स्वामी की पार्टी, महाराष्ट्र में शिवसेना और भाजपा हैं। ये सब परिवारवाद के रिप्रेजेंटेटिव हैं। इनकी कोशिश पिता के बाद बेटे के जगह लेने की होती है। भाजपा अपनी पॉलिसी में ऐसा नहीं करेगी।

अफसर सीधे सीएम से क्यों मिलते हैं?

कार्यक्रम के बाद नड्डा ने पार्टी दफ्तर में करीब आधा घंटे मंत्रियों से भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अफसर सीधे मुख्यमंत्री से क्यों मिलते हैं। कोई भी बात या विषय मंत्रियों के माध्यम से मुख्यमंत्री तक जाना चाहिए। अफसर क्यों ? यह परंपरा ठीक नहीं है। मंत्री की कमजोरी इससे दिखाई देती है। नड्डा ने कहा कि मंत्री समीक्षा करें, बैठकें करें और अफसरों से बात करें। कैबिनेट बैठक के दौरान भी विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। मुख्यमंत्री और मंत्रियों के बीच गैप का फायदा अफसर उठाते हैं।

भारत- इजरायल ने रक्षा सहयोग बढाने के लिए विजन दस्तावेज को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। भारत और इजरायल ने सभी स्तर पर रक्षा सहयोग बढाने और इसे पुख्ता करने के लिए आज यहां भारत-इजरायल विजन दस्तावेज को मंजूरी दी। भारत यात्रा पर आये इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गेंट्ज ने गुरूवार को यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान विजन दस्तावेज को मंजूरी दिये जाने के बाद भविष्य की रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढाने के एक इच्छा पत्र का भी दोनों पक्षों ने आदान प्रदान किया।

दोनों रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय , क्षेत्रीय और रक्षा उद्योग के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सैन्य स्तर पर मौजूदा

गतिविधियों की समीक्षा की और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि कोविड महामारी की चुनौती के बावजूद इसमें बढोतरी हुई है। दोनों पक्षों ने सभी क्षेत्रों में सहयोग बढाने के उपायों पर चर्चा की और बातचीत में भविष्य की प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुसंधान एवं विकास और रक्षा क्षेत्र में सह उत्पादन पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों ने परस्पर सुरक्षा चुनौतियों तथा सामरिक और रक्षा मुद्दों से उनके संबंध को लेकर समान सोच साझा की। दोनों पक्षों ने सभी मंचों पर सहयोग बढाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने भारत इजरायल रक्षा सहयोग के मौजूदा फ्रेमवर्क को और पुख्ता बनाने के उद्देश्य से एक विजन दस्तावेज को भी मंजूरी दी।

शार्ट न्यूज

शोपियां जिले में विस्फोट, तीन सैनिक घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में एक वाहन में हुए विस्फोट में सेना के तीन जवान घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सेडो शोपियां में एक निजी वाहन में हुए विस्फोट की प्रकृति की जांच की जा रही है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा, विस्फोट की प्रकृति और स्रोत (हथगोले के कारण विस्फोट या वाहन के अंदर पहले से लगाए गए आईईडी या बैटरी की खराबी) की जांच की जा रही है और इसके बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विस्फोट में तीन सैनिक घायल हो गए और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ऋषिकेश में जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ऋषिकेश/देहरादून। उत्तराखण्ड में चल रही चारधाम यात्रा के मुख्य प्रवेश द्वार देहरादून जिले के अंतर्गत तीर्थनगरी ऋषिकेश में जिलाधिकारी (डीएम) डॉ. आर राजेश कुमार ने नटराज चौक के समीप यात्रियों के ठहरने हेतु बनाए गए यात्री विश्राम गृह का निरीक्षण किया। डॉ कुमार ने यहां यात्रियों का हालचाल जाना। यात्रियों के पंजीकरण की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान यात्रियों ने स्मृति हेतु डीएम के साथ फोटो भी खिंचवाए। उन्होंने यात्रियों को पेयजल भी वितरित किया। डीएम ने सभी यात्रियों का हालचाल जाना। यात्रियों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। डॉ कुमार ने सम्बधित अधिकारियों को यात्रियों की बेहतर सुविधाएं यथा शीतल पेयजल, भोजन, शौचालय, परिवहन आदि व्यवस्थाएं बेहतर बनाने तथा स्वच्छता व्यवस्थाए बनाए रखने के निर्देश दिए।

सोनिया, राहुल की छवि खराब कर रही है ईडी

पुडुचेरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी ने गुरुवार को कहा कि पार्टी नेता सोनिया गांधी और राहुल गाधी की छवि खराब करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें समन जारी किया है। नारायणसामी ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड का मामला वर्ष 2014 में ही खत्म हो गया था और प्रवर्तन निर्देशालय ने उनको तलब कर राजनीतिक रूप से प्रताडित करने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगया कि मोदी सरकार विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों आयकर विभाग, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो(सीबीआई) और प्रवर्तन निर्देशालय का उपयोग कर रही है। श्री नारायणसामी ने कहा कि कांग्रेस इस प्रकार की धमकियों के सामने नहीं झुकेगी। उन्होंने आगाह किया कि भाजपा को भी भविष्य में इस प्रकर के स्थिति को झेलना पड़ेगा।

अनुब्रत मंडल सीबीआई के समक्ष पेश हुए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद 02 मई 2021 में हुई हिंसा के संबंध में तृणमूल कांग्रेस के बीरभूम जिलाध्यक्ष अनुब्रत मंडल गुरुवार को केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश हुए। कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य में चुनाव के बाद हत्या और दुष्कर्म के मामलों की जांच कर रही सीबीआई ने मंगलवार को श्री मंडल को आज दोपहर 12 बजे तक सीजीओ कॉम्प्लेक्स में जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए बुलाया था। वकीलों ने पिछले सप्ताह सीबीआई को एक आवेदन में श्री मंडल का स्वास्थ्य का हवाला देते हुए 15 दिन का समय मांगा था। सीबीआई श्री मंडल से भाजपा नेता गौरव सरकार की बीरभूम के इलमु बजम में चुनाव के बाद हुई हत्या के बारे में पूछताछ करना चाहती है। मंडल से कोयला तस्करी मामले में गत 19 मई को सीबीआई ने चार घंटे तक पूछताछ की थी।

शर्मा ने नए अंडमान हाउस में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बनाने का दिया सुझाव

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के एकमात्र सांसद कुलदीप राय शर्मा ने चेन्नई में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के निवासियों के बनने वाले तीसरे अंडमान गेस्ट हाउस में अंडमान के विद्यार्थियों के लिए सौ बिस्तर वाले छात्रावास बनाने की सुझाव दिया है। शर्मा ने पोर्ट ब्लेयर में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा चेन्नई में एक अन्य गेस्ट हाउस बनवाने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उप राज्यपाल की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। चेन्नई में गेस्ट हाउस बनाना समय की मांग है क्योंकि द्वीप के कई सारे लोग विभिन्न कामों जैसे उपचार, पढ़ाई और विभिन्न कारणों से चेन्नई जाते रहते हैं। सांसद ने कहा कि दरअसल चेन्नई दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार है और यहां के कई सारे विद्यार्थी तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना आदि राज्यों के विभिन्न हिस्सों में पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें अपने इन सभी कामों के दौरान चेन्नई में रूकने की जरूरत होती है।

त्रिपुरा उपचुनाव में अभी तक सामने नहीं आये भाजपा उम्मीदवारों के नाम

अगरतला। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) ने त्रिपुरा में 23 जून को होने जा रहे चार विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है हालांकि, पार्टी के केंद्रीय प्रतिनिधियों के साथ कई बैठकें हुई हैं। दूसरी ओर विपक्षी माकपा ने चार सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। कांग्रेस पार्टी ने दो सीटों पर पहले अपने उम्मीदवारों को उतारा है, इसके साथ ही एक निर्वाचन क्षेत्र में सहयोगी दल को समर्थन देने का फैसला किया है। कांग्रेस ने अगरतला में दो हाई प्रोफाइल सीटों को अपने उम्मीदवारों के लिए सुनिश्चित किया है, क्योंकि भाजपा के विधायक सुदीप रॉय बर्मन और आशीष कुमार साहा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया जिसके बाद इन सीटों को भरने के लिए उपचुनाव कराना जरूरी हो गया था। इसी तरह, मुख्यमंत्री माणिक साहा को कथित तौर पर बारदोवाली निर्वाचन क्षेत्र में अनुभवी राजनेताओं और भाजपा के पूर्व विधायक आशीष कुमार साहा के खिलाफ लड़ने के लिए चुना गया है, जबकि एक हृदय रोग विशेषज्ञ और कांग्रेस के एक पूर्व मंत्री के बेटे सहित तीन उम्मीदवार जुबराजनगर चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने यहां सत्तारूढ़ दल में गुटबाजी को रोकने के लिए त्रिपुरा में उपचुनाव के लिए तीन पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। वे पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, असम के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल और असम के मुख्यमंत्री जयंत मुल्ला बरुआ के राजनीतिक सचिव हैं। देब को सभी जिम्मेदारियों से दूर रखा गया है।

फर्जी आरसी घोटाले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

यमुनानगर। पिछले दिनों हरियाणा के करनाल में पकड़े गए आतंकवादियों ने जिस गाड़ी का इस्तेमाल किया था, वह फर्जी रजिस्ट्रेशन की गाड़ी थी। सीआईए ने इस मामले में नितिन शर्मा को गिरफ्तार किया है। उसका फर्जी रजिस्ट्रेशन भी यमुनानगर के उसी फर्जी आरसी घोटाले का हिस्सा है जिसमें एक हजार के लगभग रजिस्ट्रेशन किए गए थे। पूछताछ में अंबाला के नितिन शर्मा ने बताया कि उसने 70 गाड़ियों का फर्जी रजिस्ट्रेशन करवाया था। उसने दिल्ली के पवन नामक व्यक्ति से 13 गाड़ियां ली थी। उनमें से सात गाड़ियां जम्मू के राम नारायण जलवा को दी थी। जलवा ने यह गाड़ियां आतंकवादियों को दी थी जो पंजाब से हरियाणा के रास्ते गाड़ियों में हथियार रख कर कहीं ले जा रहे थे। उन्हें करनाल पुलिस ने पकड़ा था। यमुनानगर के डीएसपी आशीष चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि जम्मू कश्मीर में रामनारायण जलवा को पकड़ा गया। जिसने पूछताछ में जानकारी दी थी। जिसके आधार पर नितिन को गिरफ्तार किया गया। वहां से करनाल पुलिस उसे प्रोडक्शन वारंट पर लाई जहां से यमुनानगर पुलिस भी उसे उपचार के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लाई है। चौधरी ने बताया कि पूछताछ में अभी तक यह पता चला है कि 2019 से लेकर 2022 तक 906 गाड़ियों के बिलासपुर व जगाधरी में फर्जी रजिस्ट्रेशन किए गए। इन फर्जी रजिस्ट्रेशन के लिए नितिन लोकल एड्रेस के कागजात उपलब्ध करवाता था। इस संबंध में पहले ही रजिस्ट्रेशन कार्यालय के अमित और सुनील चितकारा को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में यह भी पता चला है कि आर्थिक घोटाले में कुछ और लोग भी शामिल थे ऐसे लोगों से पूछताछ की जाएगी। फर्जी आर सी घोटाले के तार काफी दूर-दूर तक जुड़े हुए हैं। यह लोग मिलिट्री की गाड़ियां ऑक्शन में लेकर उनकी गाड़ियों के इंजन नंबर बदलकर उसकी जगाधरी में आरसी बनाते थे।

कश्मीर घाटी में तेजी से बिगड़ रहे हालात

बड़े पैमाने पर पलायन कर सकते हैं कश्मीरी पंडित

श्रीनगर। कश्मीर घाटी के कुलगाम में गुरुवार को एक बैंक की शाखा में घुसकर आतंकियों ने मैनेजर विजय कुमार की हत्या कर दी। बीते तीन दिनों में किसी हिंदू की यह दूसरी हत्या थी। इससे पहले मंगलवार को स्कूल टीचर रजनी बाला का मर्डर आतंकियों ने कर दिया था। यही नहीं राहुल भट की हत्या भी आतंकियों ने तहसील परिसर में ही घुसकर की थी। इन घटनाओं ने कश्मीरी पंडितों और प्रवासी लोगों में खौफ पैदा कर दिया है। इस बीची कश्मीरी पंडितों ने शुक्रवार से बड़ी संख्या में पलायन करने का फैसला लिया है। बैंक मैनेजर की जघन्य हत्या के बाद यह फैसला लिया गया है।

घाटी में प्रदर्शन कर रहे सरकारी कर्मचारियों के कॉर्डिनेटर अमित रैना ने कहा कि ट्रांजिट कैंपों में रह रहे सरकारी कर्मचारियों ने आंदोलन को वापस ले लिया है। अब हम सभी लोगों ने जम्मू जाने का फैसला लिया है। रैना ने एक बयान में कहा, घाटी में हर स्थान पर आंदोलन को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया गया है। हर दिन अल्पसंख्यकों की जानें ली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अब घाटी में रह रहे अल्पसंख्यकों के पास यहां से निकलने के अलावा कोई भी विकल्प नहीं बचा है। कुलगाम के आरे मोहनपुरा में स्थित इलाकाई देहाती बैंक घुसकर आतंकवादी ने मैनेजर विजय कुमार की हत्या कर दी थी।

रैना ने कहा कि शुक्रवार को सभी आंदोलनकारियों से नवयुग टनल के पास जुटने को कहा गया है। वहां सभी के एकत्र होने के बाद भविष्य को लेकर फैसला लिया जाएगा। बता दें कि आतंकवादियों ने कुलगाम के ही एक स्कूल में घुसकर टीचर रजनी बाला की हत्या कर दी गई थी। बीते 5 महीने में यह 17वीं टारगेट किलिंग थी। कश्मीरी पंडितों, प्रवासी हिंदुओं और सरकारी नौकरी करने वाले मुस्लिमों की लगातार टारगेट किलिंग्स हो रही हैं।

कश्मीरी पंडित बोले, ट्रक हैं तैयार, कभी भी निकलना पड़ सकता है

बारामूला में हिंदू कश्मीरी पंडित कॉलोनी में रहने वाले अवतार कृष्ण भट ने कहा, हमने ट्रकों को तैयार रखा है क्योंकि कभी भी यहां से निकलना पड़ सकता है। टारगेट किलिंग्स ने हमें झटका दिया है और हम चाहते हैं कि सरकार हमें तत्काल दूसरे स्थान पर बसा दे। यही नहीं अब तक 100 से अधिक हिंदू परिवारों ने कश्मीर से पलायन कर लिया है।

खेल सुविधाओं का खिलाड़ियों को होगा फायदा : सीएम खट्टर

चंडीगढ़। हरियाणा में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए पंचकूला, अम्बाला और शाहबाद में तैयार किये गये अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल ढांचागत सुविधाओं का राज्य के खिलाड़ियों को भरपूर फायदा मिलेगा।

इसके अलावा पंचकुला स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम का भी कायाकल्प किया गया है। यहां पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल ढांचागत सुविधाएं तैयार की गई हैं जिससे राज्य में खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने और बड़े खेल आयोजनों में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज यहां बताया कि हरियाणा खेल के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है। खिलाड़ियों ने अनेक बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर इसे सिद्ध भी कर दिखाया है कि अगर उन्हें मौका और सही मार्गदर्शन मिले तो वे देश के लिए एक नहीं बल्कि कई पदक जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने गत वर्ष खेल ढांचागत सुविधाओं पर लगभग 150 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। हरियाणा में खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं लेकिन इन्हें तराशने की जरूरत है जिसमें ये खेल ढांचागत सुविधाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में 400 मीटर का नया एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक और वार्मअप सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक बनाया गया है।

जम्मू कश्मीर व लद्दाख से छह हजार हाजी जायेंगे सऊदी अरब

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से इस वर्ष करीब छह हजार हाजी सऊदी अरब हज करने जायेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सऊदी अरब सरकार ने दो साल तक कोविड-19 प्रतिबंधों के चलते लगभग दो साल तक प्रतिबंधित रही हज यात्रा फिर से शुरू करने के आदेश दे दिए हैं। संभागीय आयुक्त पी.के. पोल ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया, इस साल करीब छह हजार हाजी जिसमें से 5400 कश्मीर घाटी से और अन्य जम्मू और लद्दाख से सऊदी अरब जायेंगे। उन्होंने कहा कि श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच जून से रोजाना दो से तीन हज उड़ानें होंगी और सभी हाजियों के सऊदी पहुंचने तक 15 दिनों के लिए उड़ाने जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि लद्दाख और जम्मू से आने वाले हाजी यात्रा से पहले की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए प्रस्थान वाले दिन से तीन दिन पहले श्रीनगर हज हाउस में पहुंचेंगे। हज हाउस के अधिकारियों द्वारा उनके रुकने की उचित व्यवस्था की जाएगी और उन्हें यात्रा के दौरान कोई समस्या न हो इसका खास ख्याल रखा जाएगा।

इस दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी हाजियों को उड़ान में सवार होने से 72 घंटे पहले आरटी-पीसीआर कोविड-19 परीक्षण अनिवार्य रूप से कराना होगा। जेवीसी मेडिकल कॉलेज बेमिना में आरटी-पीसीआर जांच की सभी सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं।

साकीनाका रेप-मर्डर केस : दोषी मोहन चौहान को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा, बताया दुर्लभ मामला

मुंबई। साकीनाका रेप और मर्डर मामले में एक कोर्ट ने दोषी मोहन चौहन को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इसे दुर्लभ मामला बताया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में दोषी को कड़ी सजा देना जरूरी है। राज्य सरकार ने कोर्ट से आरोपी को फंसी की सजा देने की मांग की थी। कोर्ट ने राज्य का निवेदन स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता की आंत को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया था जिससे उसका पाचन तंत्र पूरी तरह खराब हो गया था।

प्राइवेट पार्ट में हथियार डाल की थी हत्या

आरोपी मोहन चौहान ने 32 साल की

महिला के साथ अंधेरी के साकीनाका इलाके में दरिंदगी की हदें पार कर दी थीं। उसने पहले महिला के साथ रेप किया और फिर प्राइवेट में हथियार डालकर हत्या कर दी।

आरोपी मोहन चौहान पेशे से ड्राइवर था। कोर्ट में जब मामले की सुनवाई चल रही थी तब वह पीड़ित पक्ष के वकीलों को गालियां भी देता था। सरकारी वकील ने तभी कहा था कि इसमें सुधार की गुंजाइस नहीं है।

कोर्ट में रोते हुए आरोप लगाने लगा था दोषी

सोमवार को कोर्ट ने मोहन चौहान को रेप और मर्डर के मामले में दोषी करार दिया था। कोर्ट में जब दोषी से पूछा गया कि उसे कितनी सजा मिलनी चाहिए तो वह जोर-जोर से रोने लगा और आरोप लगाने लगा कि उसे इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है।

वहीं दोषी के वकील ने कहा कि यह दुर्लभ मामला नहीं है क्योंकि घटना के बाद भी पीड़िता जिंदा थी और अच्छे इलाज से उसे बचाया जा सकता था। एक वॉचमैन ने महिला को घायल अवस्था में देखा था और इसके बाद पुलिस को जानकारी दी थी। इसके बाद पीड़िता को घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया जहां एक दिन बाद उसने दम तोड़ दिया। अस्पातल में मेडिकल जांच में पता चला था कि उसके प्राइवेट पार्ट में कुछ डाला गया है जिसकी वजह से आंतें फट गईं। चाकू बाहर निकालने के बाद पीड़िता की आंतें भी बाहर आ गई थीं। सरकारी वकील ने कहा कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी इस तरह से चुपचाल चला गया जैसे उसने कुछ किया ही ना हो। इस मामले में सरकार की तरफ से 37 गवाह पेश किए गए थे। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज भी सबूत में शामिल था।

पंजाब में 420 वीआईपी की सुरक्षा होगी बहाल, हाई कोर्ट में फैसले से पलटी भगवंत मान सरकार

नई दिल्ली। पंजाब में 420 वीआईपी लोगों की सुरक्षा फिर से बहाल होगी। 7 जून से इन लोगों को फिर से सुरक्षा दी जाएगी और हर किसी को खतरे की समीक्षा करने के बाद ही आगे कोई फैसला होगा। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में भगवंत मान सरकार ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान यह बात कही। इस तरह पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट में अपने फैसले से पलटने की बात कही है, जिसके तहत उसने वीआईपी कल्चर खत्म करने की बात कही थी। पूर्व मंत्री ओपी सोनी की अर्जी पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट में आम आदमी पार्टी सरकार ने 7 जून से 420 लोगों की सुरक्षा बहाल करने की जानकारी दी। पंजाबी सिंगर सिद्धू

मूसेवाला की हत्या के बाद यह फैसला लिया गया है।

मूसेवाला भी उन लोगों की लिस्ट में शामिल थे, जिनकी सुरक्षा को कम किया गया था या फिर वापस लिया गया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने मान सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आखिर जिन लोगों का सुरक्षा कवर कम हुआ था, उनकी लिस्ट लीक कैसे हो गई थी। सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब सरकार की ओर से सुरक्षा को वापस लिए जाने की काफी निंदा की गई थी। सिद्धू मूसेवाला की मानसा में अज्ञात हमलावरों ने 30 गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से ही पंजाब में राजनीतिक उबाल देखा जा रहा है और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी भगवंत मान सरकार घिरी हुई है।

इस बीच भगवंत मान दिल्ली पहुंचे हैं और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच पंजाब में हाल ही में हुई कुछ घटनाओं और सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पैदा हुए हालातों को लेकर बात हुई है।

हार्दिक पटेल भाजपा में हुए शामिल, खुद को बताया पीएम नरेंद्र मोदी का 'छोटा सिपाही'

गांधी नगर। पाटीदार नेता हार्दिक पटेल भाजपा में शामिल हो गए हैं। गांधीनगर में भाजपा मुख्यालय में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने पार्टी की सदस्यता दिलाई है। इस दौरान पूर्व डिप्टी सीएम नितिन पटेल समेत कई और सीनियर नेता मौजूद थे। भाजपा में शामिल होने के बाद हार्दिक पटेल ने कहा कि वह अब राष्ट्रहित और प्रदेश हित के साथ अपने राजनीतिक सफर की नई शुरुआत करेंगे। हार्दिक पटेल के साथ पाटीदार आंदोलन में उनके साथी रहे कई और नेता भी भाजपा में शामिल हो गए।

भाजपा में शामिल होने से पहले हार्दिक पटेल ने घर पर पूजा-पाठ किया। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए एक नई

शुरुआत होगी। आज सुबह ही उन्होंने ट्वीट किया था, राष्ट्रहित, प्रदेशहित, जनहित एवं समाज हित की भावनाओं के साथ आज से नए अध्याय का प्रारंभ करने जा रहा हूं। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्र सेवा के भगीरथ कार्य में छोटा सा सिपाही बनकर काम करूँगा।% हार्दिक पटेल तीन सालों तक कांग्रेस में रहे थे, लेकिन खुद की उपेक्षा किए जाने और युवाओं को आगे न बढ़ाने का आरोप लगाते हुए 18 मई को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

गुजरात में पाटीदार समाज का 50 से 55 सीटों पर असर है। कुल 182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा में यह आंकड़ा बहुत बड़ा है और हार्दिक पटेल इन सीटों पर भाजपा को फायदा पहुंचा सकते हैं। यही नहीं भाजपा में शामिल होने से पहले ही उन्होंने ऐलान किया था कि वह पूरे गुजरात में एक अभियान चलाएंगे और हर 10 दिन बाद लोगों से कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने की अपील करेंगे। 2015 में पाटीदार आरक्षण आंदोलन से चर्चित हुए हार्दिक पटेल युवाओं के बीच भी पकड़ रखने वाले शख्स माने जाते हैं।

पीएफआई ने ईडी की कार्रवाई को बताया दमनकारी

बेंगलूरु। इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय के संगठन से संबंधित बैंक खातों की अस्थायी कुर्की की निंदा की है। कर्नाटक पीएफआई के महासचिव अनीस अहमद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एक बार फिर स्पष्ट हो गया कि एजेंसी सत्ताधारी पार्टी के लिए काम कर रही है। जमा की गई राशि देश में आई आपदाओं के लिए संग्रह अभियान के दौरान जमा की गई थी जिसमें पीएफआई ने राहत और बचाव सेवाएं दी थीं। दूसरी ओर एक मुस्लिम नेता और सामाजिक कार्यकर्ता आलम पाशा ने पीएफआई से असहमति जताते हुए कहा कि इसे केंद्र सरकार का दमनकारी व्यवहार नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि पीएफआई यह कहकर भ्रम पैदा कर रहा है कि बैंक खातों को फ्रीज करना केंद्र सरकार का दमनकारी कदम है जबकि सरकार एजेंसियों को केवल जांच के लिए सुविधा दे सकती है, बैंक खाते फ्रीज या कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर सकती है। उन्हें अगर लगता है कि उनके साथ कुछ गलत हुआ है तो मीडिया के सामने शोर मचाने से अच्छा है कि न्यायालय की शरण में जाएं और अदालत के सामने सबूतों के आधार पर ईडी की कार्रवाई को गलत साबित कर न्याय हासिल करें।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या से बढ़ी गैंगवॉर की आशंका

बदमाश ने किया 5 लाख रुपये के इनाम का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद गैंगवॉर की आशंकाएं बढ़ गई हैं। अब जेल में बंद हरियाणा के गैंगस्टर ने सिंगर के हत्यारों की जानकारी देने वालों को 5 लाख रुपये का इनाम देने का ऐलान किया है। इससे पहले घटना से तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम जुड़ चुका है। वहीं, कनाडा के गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली है। बराड़ को बिश्नोई का करीबी माना जाता है।

गुरुवार को गैंगस्टर भूपेंद्र सिंह उर्फ

भुप्पी राणा ने मूसेवाला के हत्यारों की जानकारी देने के लिए 5 लाख रुपये के इनाम का ऐलान किया है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गैंगस्टर ने यह घोषणा की है। सिंगर की जवाहर के गांव में हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। खास बात है कि घटना से पहले ही आम आदमी पार्टी की राज्य सरकार ने गायक समेत 400 से ज्यादा लोगों की सुरक्षा घटाई थी।

भुप्पी राणा के हैंडल से की गई पोस्ट के अनुसार, हमारा सिद्धू मूसेवाला से कोई जुड़ाव नहीं है।

लेकिन अब उसे हमारा भाई कहकर मार दिया गया, तो हम हमारी जिम्मेदारी जानते हैं। यह सभी से अनुरोध है कि जिसके पास मूसेवाला के हत्यारों की जानकारी हो तो हमें बताएं, फिर चाहे वे कनाडा या अमेरिका में हो। जानकारी के लिए 5 लाख रुपेय दिए जाएंगे और जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। मूसेवाला मर्डर केस की जांच कर रहे स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमके सदस्य ने बताया कि जेल में बंद गैंगस्टर्स के नाम से खातों को सीधे उनसे नहीं जोड़ा जा सकता। अधिकारी ने कहा, लेकिन पंजाब पुलिस का साइबर सेल सोशल मीडिया पर गई सभी पोस्ट और अलग-अलग खातों से धमकियों की जांच कर रहा है।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक और पोस्ट सामने आई थी, जिसमें दो दिनों के अंदर नतीजे देने के बात कही गई थी। कहा जा रहा है कि पोस्ट के तार गैंगस्टर नीरज बवाना से जुड़े हैं।

रचना का प्रतिपक्ष नहीं है आलोचना: प्रो. द्विवेदी

बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में बोले आईआईएमसी के महानिदेशक

कोलकाता। बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद को संबोधित करते हुए भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि आलोचना रचना का प्रतिपक्ष नहीं होती है। किसी भी आलोचक का निष्पक्ष होना सबसे जरूरी है। स्वातंर्त्योत्तर हिंदी आलोचना : विविध परिदृश्य विषय पर आयोजित इस परिसंवाद में डॉ. मृत्युंजय पांडेय, प्रो. कृपाशंकर चौबे, डॉ. रणजीत कुमार एवं डॉ. राजेन्द्रनाथ त्रिपाठी ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि हिंदी आलोचना में इस समय कैसी स्थिति है, यह विवाद का विषय हो सकता है। लेकिन हम अपनी अगली

पीढ़ी से यह आशा रख सकते हैं, कि बहुत कुछ अच्छा निकल कर सामने आएगा। उन्होंने कहा कि आलोचना का अर्थ तलवार लेकर लेखक के पीछे पड़ना नहीं होता, बल्कि कलम के माध्यम से उसकी कमियों को सामने लाना होता है। इस अवसर पर डॉ. मृत्युंजय पांडेय ने कहा कि हमें वर्तमान में आलोचना के नए मानदंडों को स्थापित करना होगा। इसके लिए आलोचकों का विषय को गंभीरता से समझना समय की मांग है। पुराना जो कुछ भी है, उससे बहुत कुछ सीखा जा सकता है, लेकिन नए विमर्शों और विचारों का आना अभी बाकी है। प्रो. कृपाशंकर चौबे ने कहा कि हमें आलोचना के भारतीय मानदंड स्थापित करने होंगे। हम पश्चिम के अनुगामी नहीं हो सकते। भारत की समस्याएं अलग हैं और इसकी समस्याओं के समाधान के लिए हमें भारतीय मानदंडों को स्थापित करना होगा और उसी के आधार पर समाज एवं साहित्य की व्याख्या करनी होगी। बंगीय हिंदी परिषद के निदेशक डॉ. रणजीत कुमार ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि आचार्य शुक्ल और आचार्य द्विवेदी ने हिंदी आलोचना की जिस रीढ़ को तैयार किया था, उसे आचार्य नंददुलारे वाजपेयी से लेकर डॉ. नागेंद्र, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह, रमेश कुंतल मेघ, विजयानंद त्रिपाठी और मैनेजर पांडेय समेत कई महान आलोचकों ने एक सुदृढ ढांचा प्रदान किया। उसकी बाद की पीढ़ी ने उसे सजाया संवारा और आज की वर्तमान पीढ़ी उसे एक नई धार देने का प्रयास कर रही है।

मारपीट के विरोध में बारां शहर बंद, हुड़दंगियों पर पुलिस का बल प्रयोग

बारां। राजस्थान के बारां शहर में दो युवको के साथ एक समुदाय विशेष के युवकों द्वारा की गई मारपीट के विरोध में विभिन्न संगठनों एवं बारां व्यापार महासंघ के आह्वान पर गुरूवार को शहर बंद रहा।

शहर में चाय, नाश्ते की दुकानें नहीं खुली तो पेट्रोल पम्प, मेडिकल स्टोर एवं बस संचालन भी बंद रहा। बंद के दौरान प्रताप चौक से धर्मदा चोराहे पर मांगरोल रोड़ की तरफ बढने की दो तरफ से कोशिश पर अड़े युवकों को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ दिया।

जिससे वहा भगदड़ के साथ अफरा तफरी मच गई। संगठनों के नेताओ ने लाठी प्रहार का विरोध भी किया। उधर, जिला कलेक्टर नरेंद्र गुप्ता, जिला पुलिस अधीक्षक कल्याणमल मीणा शहर की प्रताप चोकी पर बैठ कर हर स्थिति पर नजर रखे हुए थे।

बारां शहर में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई इलाकों में भारी भरमकम पुलिस लवाजमा तैनात रहा।

इस बीच बंद समर्थक दुपहिया वाहनों से रैली के रूप में घूमकर व्यापारियों से प्रतिष्ठा बंद रखने की अपील करते रहे। तो तेनात पुलिस जवानों से भिड़ते भी दिखाई दिए।

उल्लेखनीय है कि जनता टॉकिज मार्केट में कल देर रात एक कपड़ा व्यापारी हरीश शर्मा एवं उसके मौसेरे भाई कोटा निवासी विनोद पर दुकान में घुसकर समुदाय विशेष के लोगों ने धारदर हथियारों एवं लाठियों से हमला कर दिया था। इससे दोनों घायल हो गए थे।

शार्ट न्यूज

मुख्य मंत्री जो खुद आय कर अधिकारी रहे हैं वह समझ रहे हैं की जांच की आंच उनकी चौखट तक भी पहुंच सकती है इसलिए बौखला गए हैं : हरीश खुराना

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता हरीश खुराना ने कहा है कि आज एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा उप मुख्य मंत्री मनीष सिसोदिया को भ्रष्टाचार के मामले में नोटिस मिलने से आम आदमी पार्टी बौखला गई है और वह बौखलाहट आज पत्रकार वार्ता में मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के चेहरे पर साफ झलक रही थी। स्मरणीय है की ए.सी.बी. ने आज भाजपा प्रवक्ता हरीश खुराना आदि की शिकायत पर उप मुख्य मंत्री मनीष सिसोदिया को नोटिस जारी किया है। यह मामला दिल्ली सरकार के स्कूलों के कमरों की निर्माण कीमत में हेराफेरी से जुड़ा है। हरीश खुराना ने कहा है की ए.सी.बी. का एक नोटिस मिलते ही जिस तरह मुख्य मंत्री को मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का भय सताने लगा है वह दर्शाता है की मुख्य मंत्री जानते हैं स्कूल कमरों के निर्माण में भारी हेरफेर हुआ है और यह केवल दाल में काले का मामला नही पूरी दाल ही काली है। मुख्य मंत्री जो खुद आय कर अधिकारी रहे हैं वह समझ रहे हैं की जांच की आंच उनकी चौखट तक भी पहुंच सकती है इसलिए बौखला गए हैं।

गाजियाबाद : क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास रेस्टोरेंट में लगी आग, मचा हड़कंप

गाजियाबाद। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित रेस्टोरेंट के फर्नीचर में गुरुवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। सोसइटी के चौथे फ्लोर पर स्थित रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई तो वहीं, आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की जानकारी मिलने पर शहर कोतवाली से दो गाड़ी मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन बड़ी आग को देखते हुए वैशाली दमकल विभाग से दो और गाड़ियों को मौके पर बुलाना पड़ा। इसके बाद दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि क्रॉसिंग रिपब्लिक की हाईराइज सोसाइटी की चौथी मंजिल पर ललित त्यागी का रेस्टोरेंट है, जबकि रेस्टोरेंट के नीचे पंचशील स्क्वायर शॉपिंग कांप्लेक्स है। बालकनी में ग्राहकों के बैठने के लिए कुर्सी आदि लगी हुई थी और शो के लिए झोपड़ी बनी थी। जिसमें गुरुवार की दोपहर एकाएक आग लग गई। इससे रेस्टोरेंट के कर्मचारियों के अलावा आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई और उन्होंने बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। उधर आग लगने की जानकारी मिलने पर दमकल विभाग से चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से सारा फर्नीचर की जलकर राख हो गया। विजयनगर एसएचओ योगेन्द्र मलिक का कहना है कि रेस्टोरेंट शाम को शुरू होता है। अगर उस समय आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। मुख्य अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि आग के कारणों का पता नहीं लग सका है।

अरविंद केजरीवाल ने बढ़ाई मनीष सिसोदिया की जिम्मेदारी, सत्येंद्र जैन के विभागों का भी मिला काम

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जिम्मेदारी बढ़ा दी है। सिसोदिया को अब सत्येंद्र जैन के विभाग भी संभालेंगे। बता दें कि धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया है। सत्येंद्र जैन के अधीन दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य, गृह, जल और उद्योग विभाग थे जो अब मनीष सिसोदिया संभालेंगे। दिल्ली सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि लेफ्टिनेंट गवर्नर, मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) के परामर्श से उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के पास जो विभाग हैं उनके अलावा स्वास्थ्य, उद्योग, बिजली, गृह, शहरी विकास, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, और पानी के विभागों को भी आवंटित किया जा रहा है। सत्येंद्र जैन अभी भी केजरीवाल कैबिनेट में मंत्री बने हैं लेकिन उनके पास फिलहाल कोई विभाग नहीं है। इसके साथ ही मनीष सिसोदिया अब शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, वित्त, स्वास्थ्य, उद्योग, बिजली, गृह, शहरी विकास, जल, योजना, पर्यटन, कला और संस्कृति सहित कुल 18 विभागों के प्रभारी हैं। आपको बता दें कि ईडी ने सोमवार को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया और बाद में उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को 9 जून तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। इसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने मंत्री के खिलाफ ईडी के मामले को धोखाधड़ी वाला बताया और जोर देकर कहा कि उनकी सरकार ईमानदार है और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करती है। इस बीच, केजरीवाल ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि केंद्र सरकार कुछ दिनों में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर उन्होंने यह दावा किया है। केजरीवाल ने कहा कि मुझे सूत्रों से पता चला है कि अगले कुछ दिनों में केंद्र सरकार मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करने जा रही है। केंद्र ने सभी केंद्रीय एजेंसियों से सिसोदिया के खिलाफ फर्जी मामला तैयार करने और उन्हें गिरफ्तार करने को कहा है।

दो बहनों ने रास्ते में छेड़छाड़ से परेशान होकर स्कूल जाना छोड़ा, शिकायत के बाद मामला दर्ज

पलवल। फरीदाबाद के पलवल में हथीन उपमंडल की दो छात्राओं ने युवकों की अश्लील हरकतों से तंग आकर स्कूल जाना बंद कर दिया। छात्राओं की मां ने आरोपियों व उनके परिजनों से अपनी जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। महिला थाना पुलिस ने शिकायत पर चार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महिला थाना की जांच अधिकारी अनीता देवी ने बताया कि हथीन उपमंडल की रहने वाली एक महिला ने शिकायत में कहा है कि उसकी दो नाबालिग बेटियां स्कूल में पढ़ने के लिए घर से पैदल जाती थी। आरोप है कि हब्बी, अकरम, यूसुफ, हज्जर उर्फ अजरुद्दीन उनकी बेटियों को स्कूल आते-जाते समय छेड़छाड़ कर तंग करते हैं और मोबाइल से वीडियो बनाते हैं। इसके चलते उनकी दोनों बेटियों ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। पीड़िता ने शिकायत में कहा कि आरोपी युवक आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और नशा आदि करते हैं। इनके खिलाफ पहले भी कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके बेटे को भी जान से मारने की धमकी दी है। परिवार को युवकों से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। महिला थाना प्रभारी रेनू देवी ने बताया कि शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

नोएडा। प्राधिकरण ने गुरुवार को तुस्याना गांव में बनी अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान 31 हजार वर्ग मीटर जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। इस जमीन की कीमत करीब 62 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसी गांव में सरकारी जमीन को बेचकर मुआवजा लिया गया है। इसकी जांच के लिए शासन ने कमेटी गठित की है।ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ और मेरठ मंडल आयुक्त सुरेंद्र सिंह के निर्देश पर ओएसडी सौम्य श्रीवास्तव के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम सुबह नौ बजे ही तुस्याना गांव पहुंची। तुस्याना गांव के खसरा नंबर 1007, 967, 992, 985 व 984 की जमीन पर अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। प्राधिकरण की छह जेसीबी ने अतिक्रमण को ध्वस्त करना शुरू किया। लगभग तीन घंटे तक चली कार्रवाई में 31 हजार वर्ग मीटर जमीन से अतिक्रमण हटाया गया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में महाप्रबंधक प्रोजेक्ट एके अरोड़ा, उप महाप्रबंधक प्रोजेक्ट केआर वर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक एनके जैन, प्रबंधक चेतराम, सहायक प्रबंधक राम किशन व इकोटेक थ्री के पुलिस निरीक्षक अजय कुमार आदि मौजूद रहे। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 62 करोड़ रुपये आंकी गई है। केआर वर्मा ने मौके पर ही दोबारा जमीन कब्जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ व मेरठ मंडल कमिश्नर सुरेंद्र सिंह ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में अवैध रूप से जमीन कब्जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र सरकार स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के बाद अब शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को भी झूठे केस में जेल भेजने की साजिश कर रही: अरविंद केजरीवाल

ंद्र सरकार ने सारी जांच एजेंसियों को मनीष सिसोदिया के खिलाफ कोई न कोई फर्जी केस तैयार करने के लिए कहा है : केजरीवाल

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के बाद अब शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को भी झूठे केस लगाकर जेल भेजने की केंद्र सरकार साजिश कर रही है।

केंद्र सरकार ने जांच एजेंसियों को मनीष सिसोदिया के खिलाफ कोई न कोई फर्जी केस तैयार करने के लिए कहा है। मनीष सिसोदिया भारत की शिक्षा क्रांति के जनक हैं। आजाद भारत के इतिहास के शायद वे सबसे बेहतरीन शिक्षा मंत्री हैं। उन्होंने न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश के गरीब बच्चों को उम्मीद दी है कि उनके स्कूल भी बदल सकते हैं और पूरी दुनिया में भारत का नाम रौशन किया है। ऐसे व्यक्ति को जेल में डालना चाहिए या उन्हें पूरे देश के स्कूलों को ठीक करने की जिम्मेदारी देनी चाहिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दरअसल, ये लोग सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को फर्जी मामले में जेल में डाल कर दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे अच्छे कामों को रोकना चाहते हैं। मेरी पीएम से विनती है कि हम सबको एक साथ गिरफ्तार कर लो और एक साथ सारी एजेंसी से जांच करवा लो, ताकि उसके बाद हम काम कर सकें। मुझे पूरा विश्वास है कि एक बार फिर हम आपसे देश की सबसे ईमानदार और देशभक्त पार्टी का सर्टिफिकेट लेकर जाएंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मैंने कुछ महीने पहले ही बता दिया था कि केंद्र सरकार सत्येंद्र जैन को एक फर्जी केस में गिरफ्तार करने वाली है। मुझे बहुत ही विश्वसनीय सूत्रों से यह पता चला था। कल उन्हीं सूत्रों से सूचना मिली है कि अगले कुछ दिनों में केंद्र सरकार मनीष सिसोदिया को भी गिरफ्तार करने जा रही है। पता चला है कि केंद्र सरकार ने सभी जांच एजेंसियों को मनीष सिसोदिया के खिलाफ कोई न कोई फर्जी केस तैयार करने के लिए कहा है।

जैसे उन्होंने सत्येंद्र जैन के खिलाफ फर्जी केस किया है, वैसे ही ये लोग मनीष सिसोदिया के खिलाफ भी फर्जी केस बना रहे हैं। मनीष सिसोदिया भारत की शिक्षा क्रांति के जनक हैं। आजाद भारत के इतिहास के शायद वे सबसे बेहतरीन शिक्षा मंत्री हैं। सरकारी स्कूलों में पहले गरीबों के बच्चों को थर्ड क्लास की शिक्षा मिलती थी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 18 लाख बच्चे पढ़ते हैं। इन सभी बच्चों का भविष्य अंधकार में था। मनीष सिसोदिया जी ने उन बच्चों को अच्छे और सुनहरे भविष्य की उम्मीद दी है। मनीष जी ने उन बच्चों के माता-पिता की आंखों में चमक दी है।

सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 18 लाख बच्चों और उनके माता-पिता से पूछना चाहता हूं कि ये लोग आपके मनीष सिसोदिया को भ्रष्ट कह रहे हैं, आपको क्या लगता है?: अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले उन 18 लाख बच्चों से पूछा कि बच्चों! क्या आपके मनीष सिसोदिया भ्रष्ट हैं। मैं उनके माता-पिता से भी पूछना चाहता हूं कि ये लोग आपके मनीष सिसोदिया को भ्रष्ट कह रहे हैं, आपको क्या लगता है? मनीष सिसोदिया ने न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश के गरीब बच्चों को उम्मीद है कि उनके स्कूल भी बदल सकते हैं।

दिल्ली की शिक्षा क्रांति की धमक आज केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में गूंज रही है। पूरी दुनिया के देशों से दिल्ली सरकार के पास निमंत्रण आ रहे हैं कि हमें भी हैप्पीनेस क्लास और आंत्रप्रेन्योरशिप सिखाओ। मनीष जी ने पूरी दुनिया में भारत का नाम रौशन किया है।

ऐसे व्यक्ति को जेल में डालना चाहिए या उन्हें पूरे देश के स्कूलों को ठीक करने की जिम्मेदारी देनी चाहिए। मुझे ऐसा लगता है कि सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को फर्जी मामले में जेल में डाल कर दरअसल ये लोग दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो अच्छे काम हो रहे हैं, उन्हें रोकना चाहते हैं। लेकिन चिंता मत कीजिए, मैं कभी ऐसा नहीं होने दूंगा, सभी अच्छे काम चलते रहेंगे।

मैं हमेशा कहता हूं कि मुझे राजनीति करनी नहीं आती है। मनीष सिसोदिया को और सत्येंद्र जैन को जेल में डालने के डालने के पीछे इन लोगों की क्या राजनीति है? मुझे नहीं पता, मुझे समझ में नहीं आता। मुझे केवल यह पता है कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जैसे लोगों को जेल में डालने से केवल देश का नुकसान है। अगर मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन भ्रष्ट हैं, तो फिर ईमानदार कौन है?

यमुना नदी की बाढ़ के पानी का भंडारण कर भूजल स्तर बढ़ाने में जुटी केजरीवाल सरकार

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर डीजेबी उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने किया पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों को स्वच्छ और बेहतर गुणवत्ता वाले पानी की 24 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित करने, जल प्रदूषण को कम करने और 2025 तक यमुना नदी की सफाई के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के उपाध्यक्ष श्री सौरभ भारद्वाज ने पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ परियोजना को पूरा करने के निर्देश दिए। बता दें, इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बाढ़ का संचित पानी बाढ़ खत्म होने के बाद वापस जमीन में लौटाना है, जिससे भूजल का स्तर न सिर्फ रिचार्ज होगा बल्कि बेहतर होकर पानी का स्तर और ऊपर आ जाएगा। इसके अलावा दिल्ली के घरों में 24 घंटे साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

बाढ़ के पानी का सदुपयोग करने में जुटी केजरीवाल सरकार

पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना का जायजा लेने पहुंचे सौरभ भारद्वाज ने बताया कि राजधानी से गुजरने वाली यमुना नदी में मॉनसून के दौरान लगभग हर साल बाढ़ आती है। बाढ़ का प्रकोप ज्यादा हो तो उसका नुकसान दिल्ली को झेलना पड़ता है। ऐसे में केजरीवाल सरकार ने तीन साल पहले मानसून के मौसम में नदी से बाढ़ के अतिरिक्त पानी को इकट्ठा करने के लिए यमुना बाढ़ के मैदान में पर्यावरण के अनुकूल पल्ला प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत 26 एकड़ का एक तालाब बनाया गया, जहां बाढ़ के पानी का संचय होता है, जिसका उपयोग राष्ट्रीय राजधानी में भूजल को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। भूजल स्तर में बढ़ोतरी की मात्रा का पता लगाने के लिए 33 पीजोमीटर भी लगाए गए हैं।

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि पल्ला फ्लड प्लेन केजरीवाल सरकार की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य दिल्ली में स्वच्छ पानी की आपूर्ति को बढ़ावा देना है। पल्ला से वजीराबाद के बीच करीब 20-25 किमी लंबे इस स्ट्रेच पर प्राकृतिक तौर पर गड्ढे (जलभृत) बनाए गए हैं। मानसून या बाढ़ आने पर पानी इसमें भर जाता है। नदी का पानी जब उतरता है, तो गड्ढ़ों में पानी बचा रहता है। इससे भूजल स्तर में सुधार हुआ है। जहां पहले लाखों गैलन पानी नदी में बह जाता था, अब वो व्यर्थ नहीं बहेगा।

भूजल स्तर में दिखे बेहतर रिजल्ट

पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना के कार्यान्वयन के तत्काल परिणाम में बेहतर रिजल्ट सामने आए थे। 2020 और 2021 में क्रमश- 2.9 मिलियन क्यूबिक मीटर और 4.6 मिलियन क्यूबिक मीटर अंडरग्राउंड वाटर बड़े पैमाने पर रिचार्ज किया गया। वहीं, इसके बाद भी यह देखा गया कि पल्ला परियोजना क्षेत्र में पिछले वर्ष का भूजल स्तर, अनुमान से निकाले गए 3.6 मिलियन क्यूबिक मीटर भूजल से अधिक था। इस परियोजना ने न केवल पानी की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम किया है, बल्कि गड्ढो (जलभृतों) में पानी की बढ़ोतरी भी हुई है। परियोजना क्षेत्र में पीजोमीटर में भूजल-स्तर में 0.5 मीटर से 2.5 मीटर की औसत वृद्धि देखी गई। इसके अलावा साल 2020 और 2021 में प्री-मॉनसून और पोस्ट-मॉनसून सीज़न के लिए तैयार की गई रुपरेखा में यमुना नदी से शहर की ओर ग्राउंडवाटर का फ्लो दिखाया गया।

भूजल स्तर में लगातार हो रहा सुधार

बता दें, कुछ साल पहले करीब 8000 हेक्टेयर यमुना फ्लड प्लेन पर अतिक्रण हुआ करता था। ऐसे में दुर्भाग्य से बाढ़ के पानी को रिसने और रिचार्ज करने के लिए कोई महत्वपूर्ण स्थान नहीं था। पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना के काम शुरू होने के बाद भूजल स्तर में लगातार वृद्धि हुई है। यहां तक कि बाढ़ के मैदानों के साथ बोरवेल के माध्यम से डीजेबी द्वारा 20 एमजीडी पानी की नियमित निकासी के बाद भी भूजल स्तर में बढ़ोतरी देखी गई।

पानी की किल्लत झेल रहे राज्यों के लिए मिसाल बनेंगी पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना

सौरभ भारद्वाज ने अधिकारियों को पल्ला फ्लड प्लेन परियोजना के कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए है, ताकि दिल्ली में रहने वाले नागरिकों के लिए पीने योग्य पानी की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार दिल्ली में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाने व समाज के हर तबके को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में विभिन्न परियजनाओं पर काम कर रही है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य जल संरक्षण, जल प्रदूषण नियंत्रण, अंडरग्राउंड वाटर को रिचार्ज करना, दुर्गंध में कमी, दिल्ली के घरों में साफ पानी की आपूर्ति, यमुना की सफाई, प्राकृतिक कार्बन सिंक में वृद्धि कर इकोलॉजिकल सिस्टम को बनाए रखना है।

बिना मास्क और हेलमेट लगाने वाले पुलिसकर्मियों का किया जाए चालान

नई दिल्ली। दिल्ली में पुलिसकर्मियों द्वारा कोविड-19 प्रोटोकॉल और ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने पर उच्च न्यायालय ने कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने मास्क और हेलमेट नहीं पहनने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने का आदेश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने कहा है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देश आम लोगों के साथ-साथ पुलिसकर्मियों पर भी प्रभावी रूप से लागू होता है। हमारा मानना है कि पुलिसकर्मियों को कानून का पालन करके समाज में मिसाल पेश करनी चाहिए। पुलिसकर्मी कानून से उपर नहीं हैं, उन्हें भी कानून का समान रूप से पालन करना होगा। यह टिप्पणी करते हुए न्यायालय ने पुलिस को कोरोना प्रोटोकॉल की अनदेखी करने, मास्क नहीं पहनने और यातायान नियमों का पालन नहीं करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट नहीं पहनने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। पीठ ने यह आदेश अधिवक्ता एस. भारद्वाज की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। पिछले साल अगस्त में सदर बाजार इलाके में याचिकाकर्ता का मास्क नहीं पहनने पर चालान कर दिया था।

बच्चों को भा रहा समर टून फिएस्टा

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। पैसिफिक मॉल द्वारका 21 में 27 मई से 26 जून तक समर टून फिएस्टा आयोजित किया जा रहा है। फिएस्टा के पहले दिन से ही इसमें बच्चे काफी उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में बच्चों को मौज मस्ती करने के साथ सीखने का भरपूर मौका मिल रहा है।

इसके साथ ही उनको अपने मनपसंद के कार्टून कैरेक्टर टोम एंड जेरी के साथ समय बिताने का मौका भी मिल रहा है।

समर टून फिएस्टा में बच्चे पेपर क्राफ्ट, पेंटिंग, 3 डी पेंटिंग, नृत्य, और संगीत के साथ अन्य गतिविधियों को सीख रहे हैं और अपने गर्मियों कि छुट्टियों का भरपूर आनन्द ले रहे हैं।

पैसिफिक मॉल के कार्यकारी निदेशक ने कहा, गर्मियों की छुट्टियों में बच्चे भरपूर फन करना चाहते हैं। इसलिए हमने बच्चों के लिए समर टून फिएस्टा का आयोजन किया है। जिसमें बच्चे खेल के साथ - साथ कई ज्ञानवर्धक गतिविधियों का हिस्सा बन रहे हैं। फिएस्टा में बच्चों और उनके अभिभावकों का उत्साह देखकर हम उत्साहित हैं और हम इस तरह की पहल को आगे भी करते रहेंगे।

भाजपा विधायकों ने हरदीप पुरी से की मुलाकात

मंत्री महोदय का रुख सकारात्मक, जल्दी ही दिल्ली को मिलेंगे तोहफे : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के भाजपा विधायकों ने गुरुवार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्री श्री हरदीप पुरी से राजधानी के विभिन्न मुद्दों पर बात की और उन्हें शीघ्र सुलझाने का अनुरोध किया। भाजपा विधायक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में श्री पुरी से मिले। विधायकों ने पूरी दिल्ली के साथ-साथ अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में भी और सुविधाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा की। बिधूड़ी के साथ जिन विधायकों ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की, वे हैं सर्वश्री विजेंद्र गुप्ता, मोहन सिंह बिष्ट, ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अजय महावर और अभय वर्मा। इन विधायकों ने अपने-अपने इलाकों में मोटे तौर पर पार्क और कम्युनिटी सेंटर जैसी सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया। इसके अलावा मुख्य तौर पर पांच मुद्दों पर चर्चा हुई। विधायकों ने कहा कि दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के लिए शुरू की गई पीएम उदय योजना में तेजी लाई जानी चाहिए। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के ले आउट प्लान भी शीघ्रता से बनाए जाएं ताकि इन कॉलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया में तेजी आए। इसके अलावा पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वालों को मालिकाना हक देने का काम भी तेज करने पर जोर दिया गया। विधायकों ने कहा कि कॉलोनियों को ओ जोन से हटाने की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी की जाए। इसके अलावा गांवों की विस्तारित आबादी को नियमित करने और शहरीकृत गांवों की जमीन का उपयोग सिर्फ इन गांवों की सुविधाओं के लिए ही करने का अनुरोध किया गया। बिधूड़ी ने बताया मंत्री महोदय का रुख बहुत ही सकारात्मक रहा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन सभी समस्याओं को जल्दी ही हल करके केंद्र सरकार दिल्ली की जनता को तोहफा देगी।

बंद बीमा पॉलिसी की रकम वापस कराने वाले फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश

नोएडा। सेक्टर-113 पुलिस और साइबर सेल ने भोपुरा में छापा मारकर फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से 10 महिलाओं और छह युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कुछ समय पहले नोएडा निवासी एनटीपीसी के रिटायर्ड अधिकारी से बीमा पॉलिसी की रकम वापस कराने के नाम पर एक करोड़ 62 लाख रुपये की ठगी की थी। पकड़े गए आरोपियों के पास से 16 मोबाइल, एक लैपटॉप और एक लाख 50 हजार रुपये बरामद हुए हैं। नोएडा जोन के एडीसीपी रणविजय सिंह ने बताया कि पिछले माह सेक्टर-113 थाना क्षेत्र में रहने वाले एनटीपीसी से रिटायर्ड अधिकारी सुदामा शर्मा ने पुलिस से शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने उनकी बंद बीमा पॉलिसी की रकम वापस दिलाने का झांसा देकर उनसे एक करोड़ 62 लाख रुपये ठगे हैं। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस और साइबर सेल मामले की जांच करने में जुटी थी।

कालकाजी मंदिर के पुजारियों को धर्मशालाएं खाली करने का आदेश, 4 जून को होगी बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पुनर्विकास कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। उच्च न्यायालय ने बुधवार को मंदिर परिसर में बने धर्मशालाओं में रह रहे पुजारियों/बारीदारों को छह जून तक जगह खाली करने का आदेश दिया है। बीते सप्ताह न्यायालय ने कहा था कि तब तक पुनर्विकास कार्य शुरू नहीं किया जा सकता है, जब तक मंदिर परिसर के धर्माशालाओं में रह रहे लोगों से इसे खाली नहीं करा लिया जाता है। जस्टिस सिंह ने अपने आदेश में कहा था कि चूंकि मंदिर परिसर में धर्मशालाओं में रहने वाले पुजारी या बारीदार हैं और वे भी वे मंदिर परिसर के पुनर्विकास का समर्थन करते हैं, इसलिए समुचित निर्देश जारी करना उचित होगा।

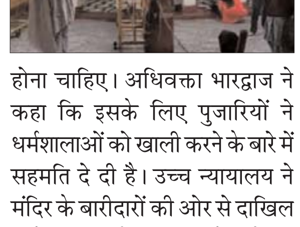

न्यायालय ने इसके साथ ही धर्मशालाओं में रह रहे पुजारी/बारीदारों को जगह खाली करने के लिए समय-सीमा बताने के लिए एक जून 2022 तक समय दिया था। पुजारियों की ओर से अधिवक्ता आर.के. भारद्वाज ने बताया कि उन्होंने न्यायालय के समक्ष स्पष्ट कर दिया कि मंदिर का पुनर्विकास होना चाहिए। अधिवक्ता भारद्वाज ने कहा कि इसके लिए पुजारियों ने धर्मशालाओं को खाली करने के बारे में सहमति दे दी है। उच्च न्यायालय ने मंदिर के बारीदारों की ओर से दाखिल कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मंदिर के पुनर्विकास और रोजमर्रा का कामकाज देखने के लिए प्रशासक नियुक्त किया है। इससे पहले, न्यायालय के आदेश पर मंदिर परिसर में अवैध रूप से बनाए गए 150 से अधिक झुग्गियों व अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया था।

4 जून को होगी प्रशासक और पुजारियों की बैठक

मंदिर के पुनर्विकास कार्य की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए 4 जून को उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासक जस्टिस जे.आर. मिधा और पुजारियों के बीच बैठक होगी। न्यायालय ने पिछली सुनवाई पर पुजारी/बारीदारों को 15 दिन के भीतर अपना सुझाव प्रशासक को देने का निर्देश दिया था। सभी पुजारी/बारीदारों को 4 जून को 5 बजे मंदिर प्रशासक जस्टिस जे.आर. मिधा के समक्ष पेश होने को कहा था। साथ ही जस्टिस मिधा को पुजारियों के सुझाव पर विचार करने और पुनर्विकास कार्ययोजना को अंतिम रूप देकर पेश करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने प्रशासक को 4 जुलाई तक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

ये चाहते हैं पुजारी

- माता वैष्णों देवी की तर्ज पर मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा हॉल का निर्माण चाहते हैं ताकि वहां विश्राम कर सके।
- श्रद्धालुओं के लिए कूलर, पीने का स्वच्छ पेयजल
- कम कीमत वाला कैंटीन, जहां मंदिर आने वाले लोगों स्वच्छ और पोष्टिक भोजन कर सके।
- धूप-बारिश से बचाव के लिए शेड का निर्माण करने की मांग की है।

संपादकीय

जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून की जरूरत

भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून की जरूरत दशकों से महसूस हो रही है। ऐसा कानून बनाने के लिए अगर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने संकेत दिए हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनके मुताबिक, सरकार जल्द ही देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लाएगी। पटेल की यह घोषणा इसलिए भी मायने रखती है कि उनका विभाग बढ़ती आबादी की जरूरत को सीधे झेलता है। गरीब कल्याण की किसी भी योजना में बढ़ती आबादी रोड़े की तरह काम करती है। हम अक्सर पश्चिमी देशों की बसावट और वैभव की मिसाल देते हैं। असंख्य भारतीयों को लुभाने वाले अमेरिका का अगर उदाहरण लें, तो वह आकार में भारत से तीन गुना से ज्यादा बड़ा है, पर उसकी आबादी भारत से करीब एक चौथाई ही है। जहां मानव बसावट है, वहां दोनों देशों की जनसघनता में ग्यारह गुना का अंतर है। मतलब जितनी जगह में एक अमेरिकी रहता है, उतनी ही जगह में 11 भारतीय रहते हैं। यह भी कहा जाता है कि भारत को प्रकृति का वरदान है, इस उपजाऊ भूमि पर दुनिया के 17 प्रतिशत से भी ज्यादा इंसान रहते हैं।

कुल मिलाकर, बढ़ती आबादी सुविधाओं को प्रभावित करती है। संसाधनों का अभाव होता है और प्रकृति पर बोझ बढ़ता है। गंदगी और बीमारी को बढ़ावा मिलता है, अत॰ जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून के पक्ष में मजबूत पैरोकारी होती रही है। हालांकि, इस कानून का विरोध भी खूब है। इस कोशिश को एक धर्म विशेष के खिलाफ मानने वाले भी कम नहीं हैं। लेकिन पत्रकारों के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने दृढ़ता के साथ इशारा कर दिया कि इसे जल्द ही लाया जाएगा, चिंता न करें। जब इस तरह के मजबूत और बड़े फैसले पहले भी लिए गए हैं, तो बाकी भी लिए जाएंगे। मंत्री की दृढ़ता साफ संकेत है कि सरकार इस बड़ी पहल के लिए तैयार है। वैसे दो साल पूर्व राज्यसभा में राकेश सिन्हा ने जनसंख्या विनियमन विधेयक पेश किया था। तब सरकार का रुख इसके बहुत अनुकूल नहीं था। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि अभी जागरूकता के जो प्रयास हैं, उनसे आगे जाकर कानून लाने या कड़ाई बरतने का सरकार का इरादा नहीं है। खैर, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का ताजा बयान सरकार के रुख में आए बदलाव के संकेत दे रहा है।

जनसंख्या नियंत्रण के उदार उपाय अगर कारगर नहीं हो पा रहे हैं, तो कड़े कानून की जरूरत से कौन इनकार करेगा ? संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की जनसंख्या एक दशक में चीन से आगे निकल जाएगी। अत॰ एक तार्किक जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाकर आबादी को स्थिर रखना या घटाना बहुत जरूरी हो गया है। ध्यान रहे, 7 फरवरी, 2020 को एक विधेयक शिवसेना सांसद अनिल देसाई ने भी राज्यसभा में पेश किया था। जनसंख्या नियंत्रण में योगदान देने वालों को कर, रोजगार, शिक्षा आदि में प्रोत्साहन, रियायत देकर मजबूत करने की जरूरत है। ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को दंडित भले न किया जाए, लेकिन कम बच्चे पैदा करने वालों के प्रोत्साहन को समान भाव से सुनिश्चित करना चाहिए। एक अच्छा कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं होगा, उसे ढंग से लागू करना ज्यादा जरूरी है। लगे हाथ हर धर्म के ऐसे लोगों पर लगाम जरूरी है, जो लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उत्तरी और मध्य भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत करने वाला अभियान गति पकड़ रहा है।

बेहतर, प्रबल और नेक बने!

एक जिंदगी है, दूसरे जन्म का हमें कोई पता नहीं ! इतना तो पता है कि हमें इस जिंदगी को प्रसन्नता पूर्वक, सकारात्मक सोच के साथ, अच्छे व्यवहार के साथ और प्रेम से व्यतीत करनी चाहिए ! जिंदगी में उतार-चढ़ाव, मुश्किल परेशानी तो आती ही रहेगी ! अगर दुख नहीं होगा फिर हमें सुख में आनंद कैसे आएगा, अगर रोना नहीं आएगा तो फिर हंसने में खुशी कैसे होगी, जिंदगी बहुत ही सरल सी नहीं हो जाएगी ? चलिए जिंदगी में कोई भी बाधा आए, परेशानियां आए, तकलीफ आए , उस पर अपनी सारी ऊर्जा अपनी परेशानियों पर लगाने की जगह हमें यह याद रखना चाहिए की अब हमने क्या सीखा और अपनी ऊर्जा हम अपने आप को बेहतर बनाने में लगाएं ! जी कहना बहुत ही आसान है, लिखना भी, पर जिंदगी में रोना, हार मान जाना यह उससे भी ज्यादा आसान है, मुश्किल है, तो बाद में यह सोचना कि हमने अपने समय को, रोने में, किसी पर इल्जाम लगाने में, और जिंदगी को पहचानने में कितना वक्त जाया कर दिया है ! अगर इसी तरह जिंदगी जीनी है तो क्यों ना मुश्किल का सामना पहले ही कर लिया जाए ! जब भी हम बहुत ही खुशी में हो, बहुत गुस्से में हो, कोई निर्णय ना ले, पर उस ऊर्जा को कोई ना कोई कार्य करने में व्यतीत करें, हमारा कार्य जरूर सफल होगा ! इस जिंदगी में, अगर हम देखें, तो हम पाएंगे कि हमने यह जीवन, अनुभव पाने, कुछ नया सीखने और अपने आप को बेहतरीन बनाने के लिए ही लिया है ! बेहतर बनने का मतलब यह नहीं, लोग हमारी सराहना करें, इसका मतलब यह है कि, हम अंदर से अपने आप को प्रसन्नता से भरा हुआ महसूस करें, संतुष्ट महसूस करें, ऊर्जावान महसूस करें और बहुत ज्यादा आत्मबल स्वयं में हो ! उम्मीद कभी ना छोड़िए, अपने आप को हर क्षेत्र में बेहतर बनाइए, जिसमें आप प्रश्न महसूस करते हैं ! खेलकूद, संगीत, नृत्य, शिक्षा या कोई अविष्कार करके ! स्वयं को पसंद करें, स्वयं से प्रेम करें, सबसे पहले स्वयं का सम्मान करें, अपना काम समय पर करें, लोगों को खुश करने की जगह, पहले स्वयं की खुशी का भी ध्यान रखें, बस जरूरी यह है कि हमारी वजह से किसी को शारीरिक या मानसिक तकलीफ ना हो, पर इसकी वजह अगर यह है कि आप उनके पसंद का कार्य नहीं करते, विषय नहीं लेते या वस्त्र नहीं पहनते, विवाह नहीं करते, तो उन्हें नजरअंदाज करते हुए आगे बड़े ! आपकी जिंदगी में किसी भी तरह की दखलअंदाजी करने का, किसी को भी अधिकार नहीं है, इसलिए मत करने दीजिए ! खुद को बेहतर बनाने के लिए कंफर्टेबल, स्वतंत्र रखना बहुत जरूरी है ! आप को बेहतर बनाने के लिए जरूरत है कि हम स्वयं पर ध्यान दें क्योंकि कोई भी हमें बेहतर बनने से रोक नहीं रहा है ! दूसरों से तुलना करना, कंपटीशन करना, जलना, लड़ना, उनके बारे में बुराइयां करना, छोड़ दीजिए ! इस तरह की सोच आपको आगे बढ़ाने की जगह पीछे की ओर धकेलति है, कमजोर बनाता है और बेहतर व्यक्ति बनने से रोकती है !

स्वयं को बेहतर बनाने के लिए यह भी जरूरी है की हम यह पूरा ध्यान रखे कि हमारी संगति कैसी है, संगति ज्यादातर बुरी अच्छी नहीं होती है, पर हम जिस भी तरह का इंसान बनना चाहते हैं, हमारे जो भी लक्ष्य है वह हमारे दोस्तों से मिलते हो ना कि जुदा हो फिर भी हमें बहुत से रिश्ते बचपन से ही मिले हैं, हमारे साथ है तो उनमें अच्छाइयों को परखने की कोशिश करें, उनकी अच्छाइयों को अपने अंदर उतारे, उनकी अच्छाइयों का कारण पूछे और जिंदगी को सही नजरिए से देख कर और बेहतर बनाएं !

ना बैठे अपनी परेशानियों को लेकर,
बेहतर बनना ही तो हमारा लक्ष्य है,
चलो बनाते हैं हर दिन को बेहतर,
इसी मैं हमारा बेहतर भविष्य है !

डॉ. माध्वी बोरसे!

जिंदगी मै रंग भरती बिटिया, चूल्हे-चौके से सिविल सेवा के शीर्ष तक

सिविल सेवा परीक्षा के नतीजों में इस बार देश की बेटियों ने जैसी धूम मचाई है, वह न सिर्फ उनके परिवारजनों बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज के लिए गर्व करने का विषय है.

प्रियंका 'सौरभ'

श्रुति शर्मा अंकिता अग्रवाल गामिनी सिंगला

श्रुति शर्मा, अंकिता अग्रवाल तथा गामिनी सिंगला संघ लोक सेवा द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2021 में क्रमशश्र प्रथम, द्वितीय और तृतीय रैंक प्राप्त किया है। लड़कियों ने आज हर क्षेत्र में डंका बजा रखा है। पढ़ाई से लेकर नौकरी और व्यवसाय से लेकर अंतरिक्ष में छलांग लगाने के मामले में लड़कियों ने अपनी प्रतिभा से सबको परिचित करा दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर की रहने वाली श्रुति शर्मा ने यूपीएससी 2021 प्रथम रैंक प्राप्त की है। यह उत्तर प्रदेश और विशेषकर जिला बिजनौर के लिए बेहद गर्व की बात है। जिस क्षेत्र को कृषि प्रधान क्षेत्र कहा जाता है और जहां पर शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ापन और जागरूकता का अभाव एक लंबे समय तक बना रहा; वहां पर एक स्त्री होने के नाते चुनौतियां और बढ़ जाती हैं। विवाह की जल्दी, बाहर पढ़ने जाने का संघर्ष ?, अच्छी संस्थाओं (केंद्रीय विश्वविद्यालय) का अभाव, मार्गदर्शन की कमी आदि बहुत कुछ झेलना पड़ता है, लड़ना पड़ता है। लेकिन ऐसे क्षेत्र से आने वाली कोई लड़की अगर यूपीएससी टॉप करती है तो यह भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत है। इस बार टॉप 10 में प्रथम तीन स्थान पर नारी शक्ति का बोलबाला रहा। यह भी समाज में स्त्री शिक्षा के बदलते स्वरूप को दिखाता है। महिलाएं आने वाले समय में हजारों नवयुवतियों के लिए प्रेरणा की स्रोत बनेंगी। भारत जैसे परंपरागत समाज में भी अपनी प्रतिभा और लगन की बदौलत स्त्रियां अनछुई ऊंचाइयों तक पहुंच सकती हैं, उनकी वजह से यह आत्मविश्वास नई पीढ़ी की महिलाओं में पैदा होगा। सिविल सेवा परीक्षा में लड़कियां टॉप करती है तो जमीनी हकीकत भी सामने आती है। देश में 52 फीसदी लड़कियां स्कूल शिक्षा के स्तर पर ही पढ़ाई छोड़ देती हैं। क्यों हैं ऐसे हालात और क्या है इससे आगे निकलने का रास्ता ? अगर ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे हमारे देश में जब लड़कियां बड़ी हो रही होती हैं तो उनमें से ज्यादातर को उतने मौके नहीं मिलते शिक्षा और दूसरे क्षेत्रों में आगे बढने के, जितने की लड़कों को मिलते हैं। हमारा समाज घर और बाहर, अभिभावक और शिक्षक उनसे अपेक्षा ही नहीं करते कि वे घर के कामों के अलावा दूसरे काम भी अच्छी तरह से करें। वास्तव में उनके ऊपर सामाजिक-आर्थिक और भावनात्मक रूप से उतना निवेश नहीं किया जाता जितना कि लड़कों पर किया जाता है। परिणामस्वरूप लड़कियों में आगे बढने का आत्मविश्वास, बंधनों से जूझने की हिम्मत ही विकसित नहीं होती। यह सभी के बारे में सच है कि अगर किसी बच्चे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है तो फिर उसकी आत्मछवि में और सुधार आता है। लेकिन लड़कियों के साथ तो प्राय॰ उल्टा होता है। स्कूलों में या घर में उनके काम की सराहना कम होती है, उन्हें शाबासी कम मिलती है। जिससे उसकी अस्मिता सिमट कर रह जाती है और इसका उसके प्रदर्शन पर नकारत्मक असर होता है। बेटियों की शिक्षा और फिर उच्च शिक्षा से कब और क्यों वंचित कर दिया जाएगा, इस संशय से वे हमेशा भयग्रस्त रहती हैं। देश की करीब 52.2 प्रतिशत बेटियां बीच में ही अपनी स्कूली पढ़ाई छोड़ रही हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति को करीब 68 प्रतिशत लड़कियां स्कूल में दाखिला तो लेती हैं, लेकिन पढ़ाई पूरी करने से पहले ही स्कूल छोड़ देती हैं। हमारे देश में लड़कियों या महिलाओं के जीवन के कई मोड़ों पर उन के ऊपर यह दबाव आता है जब उनसे घरेलू जिम्मेदारियों तक सिमट जाने की अपेक्षा की जाती है। पहला मोड़ तब आता है जब उनकी इंटर तक की पढ़ाई पूरी हो जाती है। जो लड़कियां इस दबाव से बच पाती हैं वे सुनहरे भविष्य के लिए आगे निकल जाती हैं, पर जो इस बाधा-दौड़ से आगे नहीं निकल पातीं, वे बेचारी हाईस्कूल या इंटर तक पहुंच ही नहीं पातीं। कोई लड़की इस अनचाही बाधा-दौड़ को लांघ पाएगी या नहीं, यह लड़की पर बहुत ही कम निर्भर करता है। यह तो सीधा परिवार की आर्थिक और सामाजिक हैसियत और आसपास के क्षेत्र में स्कूल की मौजूदगी और कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति पर निर्भर करता है। देशे में हम जिन बच्चियों को हम इंटर और हाईस्कूल आदि में टॉप करते और लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करते देखते हैं, उनमें से अधिकांश संपन्न तबके से होती हैं। गरीब परिवारों से लड़कियां प्राय॰ इस मोड़ से आगे नहीं बढ़ पातीं। गरीब परिवारों से लड़के तो भी आगे बढने में सफल हो जाते हैं, पर लड़कियों का आगे बढना काफी मुश्किल होता है। एक बार लड़की बाधा-दौड़ को पार कर जाये तो उसे यह अहसास होता है कि यह मौका बहुत संघर्ष से मिला है, गंवाना नहीं है, तो वह पूरे समर्पण और मेहनत से काम को अंजाम देती हुई लड़कों की तुलना में बेहतर सफलता अर्जित करती है।

मेरे देश की बेटियां क्यों स्कूल छोड़ देती हैं। इस विषय पर बिहार और उत्तर प्रदेश में किए गए एक शोधपत्र में तथ्य सामने आए हैं कि बीच में पढ़ाई छोड़ चुकी हर पांच लड़कियों में से एक का मानना है कि उनके माता-पिता ही उनकी पढ़ाई में बाधक हैं। समाज में असुरक्षित माहौल एवं विभिन्न कुरीतियों के कारण आठवीं या उससे बड़ी कक्षा की पढ़ाई के लिए उनके परिवार वाले मना करते हैं। करीब 35 प्रतिशत लड़कियों का मानना है कि कम उम्र में शादी होने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोडनी पड़ती है। यह अध्ययन स्पष्ट इंगित करता है कि बेटियों की शिक्षा के मध्य अवरोध उनके परिवार के सदस्यों द्वारा ही खड़ा किया जाता है। हमारी बेटियां क्यों हतोत्साहित हैं ? ऐसा क्या है, जो वह स्वयं को इन क्षेत्रों से दूर कर लेती है जहां समय और श्रम अधिक अपेक्षित हैं। शोध तो ऐसा बताते है कि 5 प्रतिशत लड़कियां ही विज्ञान, तकनीक, गणित और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना कॅरियर नहीं बनाना चाहती। गणित और विज्ञान जैसे विषयों में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से कमतर नहीं रहा।

व्यक्ति हो या देश, उसकी सफलता इसमें मानी जाती है कि उसमें निहित संभावनाएं उभर कर आएं और इन संभावनाओं का भरपूर उपयोग हो। यदि कार्यबल में महिलाओं के लिए नए द्वार खुलते हैं तो इससे तमाम महिलाओं में निहित संभावनाओं को फलीभूत करने का मार्ग प्रशस्त होगा और हम अपने राष्ट्र की आबादी में मौजूद संभावनाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को नए सिरे से आगे आना होगा। लड़कियों की यह कामयाबी सरकार के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान को भी यकीनन बल देगी। इससे समाज में कमजोर पड़ रही वह सोच और भी बेदम होगी कि लड़कियां सिर्फ चूल्हे-चौके का काम करने के लिए होती है। इससे तमाम मां-बाप तक संदेश पहुंचेगा कि लड़कियां किसी भी मामले में कमतर नहीं है। अभिभावकों की बदलती सोच, सरकारी समर्थन के साथ-साथ खुद लड़कियों के तेवर भी जिस तरह बदल रहे हैं, उम्मीद की जानी चाहिए कि उनकी सफलता का सिलसिला भविष्य में और अधिक व्यापक रूप से जारी रहेगा।

कश्मीर में बढ़ती आतंकी वारदातें सुधरते हुए भारत-पाक रिश्तों को फिर बिगाड़ने का प्रयास है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हम थोड़े और गहरे उतरें तो पता चलेगा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों ने 13 लोगों की हत्या की है, उनमें चार पुलिस के जवान थे, तीन हिंदू थे और छह मुसलमान थे। इन मुसलमानों में पुलिस वालों के अलावा पंच, सरपंच और टीवी की एक महिला कलाकार भी थी।

जम्मू-कश्मीर में जबसे धारा 370 हटी है, वहां राजनीतिक उठा-पटक और आतंकवादी घटनाओं में काफी कमी हुई है लेकिन इधर पिछले कुछ हफ्तों में आतंकवाद ने फिर से जोर पकड़ लिया है। कश्मीर घाटी के एक स्कूल में पढ़ा रही जम्मू की अध्यापिका रजनीबाला की हत्या ने कश्मीर में तूफान-सा खड़ा कर दिया है। कश्मीर के हजारों अल्पसंख्यक हिंदू कर्मचारी सड़कों पर उतर आए हैं और वे उप-राज्यपाल से मांग कर रहे हैं कि उन्हें घाटी के बाहर स्थानांतरित किया जाए, वरना वे सामूहिक बहिर्गमन का रास्ता अपनाएंगे। उनका यह आक्रोश तो स्वाभाविक है लेकिन उनकी मांग को क्रियान्वित करने में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। यहां एक सवाल तो यही है कि क्या आतंकवादी सिर्फ हिंदू पंडितों को ही मार रहे हैं ? यह तो ठीक है कि मरने वालों में हिंदू पंडितों की संख्या ज्यादा है, क्योंकि एक तो वे प्रभावशाली हैं, मुखर हैं और उनकी संख्या भी ज्यादा है लेकिन रजनीबाला तो पंडित नहीं थीं। वह तो दलित थीं। इसके अलावा हम थोड़े और गहरे उतरें तो पता चलेगा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों ने 13 लोगों की हत्या की है, उनमें चार पुलिस के जवान थे, तीन हिंदू थे और छह मुसलमान थे। इन मुसलमानों में पुलिस वालों के अलावा पंच, सरपंच और टीवी की एक महिला कलाकार भी थी। कहने का अर्थ यह कि आतंकवादी सबके ही दुश्मन हैं। वे घृणा और घमंड से भरे हुए होते हैं। वे जिनसे भी घृणा करते हैं, उनकी हत्या करना वे अपना धर्म समझते हैं। क्या वे यह नहीं जानते यह कुकर्म वे इस्लाम के नाम पर करते हैं और उनकी इस करनी की वजह से इस्लाम सारी दुनिया में बदनाम होता रहता है। ऐसे ही हिंसक उग्रवादियों की मेहरबानी के कारण आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान बिल्कुल खस्ता-हाल हुए जा रहे हैं। कश्मीर में इधर कुछ हफ्तों से आतंकवादी हमलों में जो बढ़त हुई है, उसका एक कारण यह भी लगता है कि ये आतंकवादी नहीं चाहते कि भारत-पाक रिश्तों में जो सुधार के संकेत इधर मिल रहे हैं, उन्हें सफल होने दिया जाए। इधर जब से शाहबाज शरीफ की सरकार बनी है, दोनों देशों के नेताओं का रवैया रचनात्मक दिख रहा है। दोनों देश सीमा पर युद्ध विराम समझौते का पालन कर रहे हैं और सिंधु-जल विवाद को निपटाने के लिए हाल ही में दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक दिल्ली में हुई है। पाकिस्तान के व्यापारी भी बंद हुए आपसी व्यापार को खुलवाने का आग्रह कर रहे हैं। आतंकवादियों के लिए यह सब तथ्य काफी निराशाजनक हैं। इसीलिए वे अंधाधुंध गोलियां चला रहे हैं।

उनकी हिंसा की सभी कश्मीरी नेताओं ने कड़ी निंदा की है और उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी कठोर शब्दों में आतंकवादी हत्यारों को शीघ्र ही दंडित करने की घोषणा की है। क्या इन आतंकवादियों को इतनी-सी बात भी समझ नहीं आती कि वे हजार साल तक भी इसी तरह लोगों का खून बहाते रहें तो भी अपना लक्ष्य साकार नहीं कर पाएंगे और वे जितने निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं, उससे कई गुना ज्यादा आतंकवादी हर साल मारे जाते हैं।

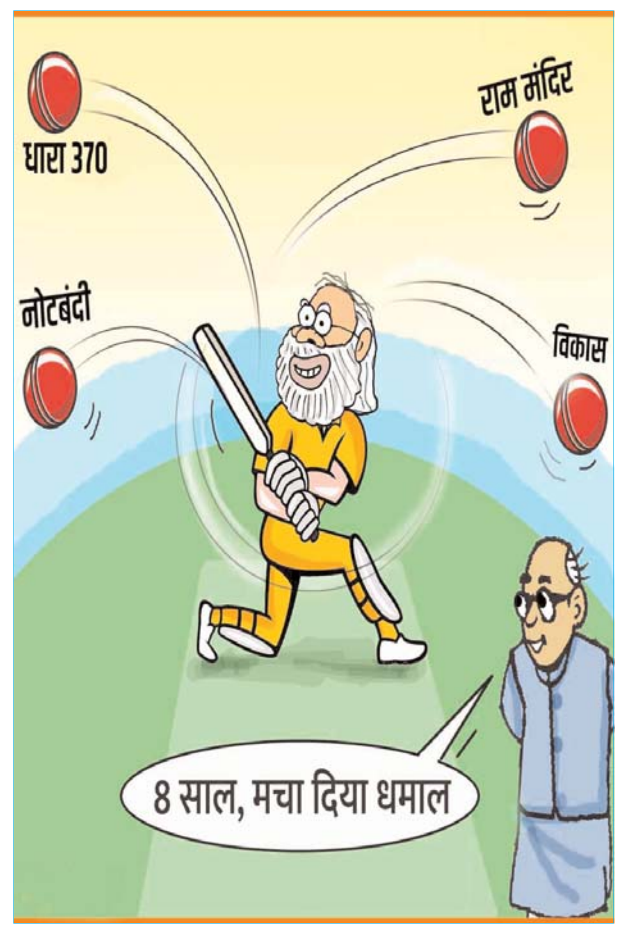

क्रोध विकराल परिस्थितियों का जन्मदाता!!

हमारा गुस्सा और क्रोध हमारे जीवन की सभी समस्याओं की वजह में से एक है

हर बात और स्थिति को अत्यंत सहजता में लेना ही गुस्से और क्रोध पर नियंत्रण का मूल मंत्र हैं- एड किशन भावनानी

गोंदिया- आज के युग में हर व्यक्ति को जीवन के किसी न किसी पड़ाव में विपरीत परिस्थितियों का निर्माण होने के कारणों में कहीं ना कहीं एक कारण उसका गुस्सा या क्रोध भी होगा। अगर हम अत्यंत संवेदनशीलता और गहनता से उत्पन्न हुई उन परिस्थितियों की गहनता से जांच करेंगे तो हमें जरूर यह कारण महसूस होगा। गुस्से और क्रोध का वह छोटा सा पल ऐसी अनेकों विकराल स्थितियों और परिस्थितियों को पैदा कर देता है, जिसकी हमें उम्मीद भी नहीं रहती और फिर बड़े बुजुर्ग लोग कहते हैं ना कि, जब चिड़िया चुग गई खेत अब पछतावे का होए ।बस हमें उस गुस्से क्रोध के उस पल को काबू में रखने के मंत्र सीखने होंगे जो कि आसान है। सबसे पहले तो हमारी यह सव प्रतिशत कोशिश होनी चाहिए कि उस स्थिति को पैदा ही ना होने दें , जिसके कारण क्रोध या गुस्सा या आक्रोश उत्पन्न हो ।परंतु यह भी उचित बात है कि, हम किसी भी परिस्थिति को कितना भी रोके, परंतु स्थिति उत्पन्न हो ही जाती है,या अन्य कोई यह स्थिति उत्पन्न कर ही देता है, तो ऐसी परिस्थिति में सबसे सरल मंत्र है उस परिस्थिति की हर बात,हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता से लें और गुस्से या क्रोध या आक्रोश को जगने से पहले ही तुरंत उसे समाप्त कर दें। उसके लिए सहजता व सरलता इन दो शब्दों या मंत्रों को गांठ बांध के रखना ही होगा।

साथियों ,मेरा ऐसा निजी मानना है कि जितनी भी विपरीत, हानिकारक, कष्टदाई परिस्थितियां उत्पन्न होती है, उसका मूल कारण गुस्सा, आक्रोश, क्रोध में उठाया गया हिंसात्मक कदम होता है, जिसकी परिणीति में उन विपरीत परिस्थितियों का जन्म होता है ।और अगर उन परिस्थितियों, स्थितियों को फलने फूलने के लिए, कथित प्रोत्साहन मिला तो फिर विकराल रूप बन इंसान को सबसे बड़ा और खतरनाक प्राणी बना देता है ,जिसे आज की स्थिति में अपराध के जगत का डॉन या कुख्यात अपराधी की संज्ञा दी जाती है।

साथियों, हम अपने रूटीन जीवन के हर क्षण में काफी नजदीकी से देखते होंगे कि कोई भी टॉपिक में, किसी भी क्षेत्र में, किसी भी विषय में, बात तभी बिगड़ जाती है जब वहां तावबाज़ी अर्थात गुस्सा या क्रोध का जन्म होता है, और बात बढ़ कर कहासुनी, मारपीट, हत्या की कोशिश, हत्या, जख्मी, घायल इत्यादि से पुलिस, जेल , और मामला अदालतों की दहलीज तक जा पहुंचती है। और सामाजिक-आर्थिक नैतिक, हानि, मानहानि अलग होती है। साथियों, सोचिए इतनी भारी कीमत चुकानी होती है, मात्र एक छोटे से पल की जिस पर आसानी से नियंत्रण किया जा सकता था। जो भी व्यक्ति उपरोक्त विपरीत प्रक्रिया, गुस्से, क्रोध, से जेल तक में बंदी बनाया जाता है या सजा काटता है या अदालतों के चक्कर काटता है, विशेषज्ञों और अधिवक्ताओं के पीछे घूमता है, अगर हम उसकी प्रतिक्रिया जानना चाहेंगे तो हमें निर्णय करने में आसानी होगी कि मामला गुस्से और क्रोध की परिणीति का है और कहीं ना कहीं उस व्यक्ति के मन में गुस्से और क्रोध के प्रति पछतावे की बात सामने आती है।

गुस्सा और क्रोध से, बदले की भावना का उदय होता है और फिर बदले पर बदला के चक्रव्यूह में अनेक जीवो का जीवन कुचक्र में फंस कर खराब हो जाता है। क्योंकि फिर बदले का अंजाम बहुत दूर तलक जाता है, जो गुटबाजी, गैंगवार सहित बात दूर तलक चली जाती है अत: अगर हम अपने क्रोध, गुस्से को काबू में कर पाएंगे तो सहजता और सरलता रूपी मिठास का अपने आप उदय होगा हम स्वाभाविक रूप से मीठा बोलेंगे। हमारी वाणी में मिठास उत्पन्न होगी। चार लोग हमारे करीब आएंगे,और हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, मान सम्मान होगा। जिसका प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी, भावी पीढ़ी पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि, बोया बीज बबूल का तो आम कहां से खाए, और बोया बीज मिठास का तो कुल पुरा मीठा होय। हम सामाजिक रुप में भी किसी व्यक्ति या परिवार को उसके कुल से ही कतारते हैं कि, अच्छे कुनबे का परिवार है या अच्छे कुनबे का व्यक्ति है। अत: सभी कुभावनाओं, विपरीत विचारों, परिस्थितियों, से ओतप्रोत इस गुस्से और क्रोध,आक्रोश को हीपूरी विपत्ति और कठिनाइयों की जड़ मानेंगे अत:उपरोक्त पूरे विवरण को अगर हम संकुचित और कुछ शब्दों या शब्दकोश में सीमित करें तो गुस्सा और क्रोध एक तेज तीखी मिर्ची के समान है ,एक आग के समान है,जिसे फैलने या रोकने के लिए सहजता और सरलता रूपी गुड़ शक्कर या शहद की जरूरत होती है, जो मिर्ची रूपी धास को, आग रूपी तबाही को, सहजता सरलता और मीठी वाणी रूपी पानी से बुझाया जा सके।

अत: इंसान को हर बात और हर स्थिति को अत्यंत ही सहजता और सरलता में ही लेना चाहिए ताकि क्रोध और गुस्से पर नियंत्रण हो सके यही मूल मंत्र है।

समझ लेना

**ज़िन्दगी के किसी दौर में
जब तुम खुद को अकेले
पाओ, तो खुद को चाँद समझ
लेना जो अकेले ही स्याह रातों
को उजियारीत करता है.**

**जब मंज़िल दूर लगे
और पग पग पर भी ठोकर
लगे, तो खुद को दीवार पर
चढ़ती नन्ही चींटी समझ लेना
जो सौ बार फिसलती है पर
हिम्मत नही खोती है.**

**जब राहों में काँटे ही काँटे हो
और मुश्किलों के पत्थर राह
रोकें हो, तो खुद को वो
शिल्पकार समझ लेना
जो पत्थर को तराशकर ईश्वर
बना दे**

**जब हो रहा हो मन हताश
और विश्वास में न रहे कोई
आस, तब खुद को बच्चा
समझ लेना और हर मन को
सच्चा समझ लेना**

शार्ट न्यूज

युवक ने प्रेमिका को मारी गोली

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं के इस्लाम नगर क्षेत्र में गुरुवार को एक विवाहित युवक ने पोल खुलने से झल्ला कर अपनी प्रेमिका को गोली मार दी। युवती को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जबकि आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गांव कुंदा वाली निवासी इमरान हरियाणा के गुड़गांव में एक फैक्ट्री में नौकरी करता है जहां उसकी मुलाकात आशा (22) नामक युवती से हुई और दोनों के बीच प्रेम हो गया। आज सुबह दोनों गुड़गांव से बाईक द्वारा बदायूं पहुंचे थे। पीड़ित के परिजनों के अनुसार इमरान पहले से ही शादीशुदा है जबकि उसने आशा को खुद को अविवाहित बताया था। किसी तरह से यह बात आशा को पता चल गई और वह बाइक से उतर गई। दोनों के बीच तकरार होने लगी जिससे गुस्साए इमरान ने आशा के सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण क्षेत्र सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि युवती के सर में गोली मारी गयी है। उसकी हालत गंभीर बनी हुयी है। परिजनों की तहरीर पर अभियोग पंजिकृत किया जा रहा है। अभियुक्त इमरान को गिरफ्तार करने के लिये टीम गठित कर दी गयी है।

प्रतापगढ़ में आर्केस्ट्रा पर डांस करने वाला दरोगा निलंबित

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में आर्केस्ट्रा के मंच पर डांस करने वाले उप निरीक्षक को गुरूवार को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस प्रशासन को सोशल मीडिया के माध्यम से एक वायरल वीडियो मिला था जिसमें सादे कपड़े में एक पुलिस अधिकारी आर्केस्ट्रा के मंच पर डांस कर रहा है। उसे जनपद प्रतापगढ़ के थाना सांगीपुर का उप निरीक्षक बताया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ सतपाल अंतिल ने वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर क्षेत्राधिकारी लालगंज को जांच के निर्देश दिये। जांच में पाया गया कि उक्त व्यक्ति थाना सांगीपुर में नियुक्त उप निरीक्षक राजेश कुमार यादव हैं, जो बिना किसी अनुमति के गाजीपुर में जाकर एक तिलक समारोह में इस तरह का कृत्य किये हैं। जांच में उप निरीक्षक राजेश कुमार यादव दोषी पाये गये। इसलिए पुलिस अधीक्षक ने उसे तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया।

औरैया में युवक ने फांसी लगायी,मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के बिधूना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि मढ़हा माछीझील निवासी रंग बहादुर सिंह के पुत्र विपिन सिंह (23) का शव आज सुबह खेत पर आम के पेड़ पर रस्सी के सहारे लटका मिला। युवक कस्बा बिधूना में मनीष मिल स्टोर पर रहता था और वहां पर लोडर चलाकर सामान ढ़ोने का काम करता था। विपिन बुधवार शाम घर से निकला था। ग्रामीण सुबह करीब छह बजे खेतों की ओर गये तो उन्होंने आम के पेड़ से युवक को लटका देखा। पुलिस आत्महत्या के कारणों की पड़ताल कर रही है।

तीन ट्रकों की भिड़ंत में दो चालकों की मौत

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बीती रात तीन ट्रको के आपस में टकरा जाने से दो चालकों की मौत हो गई। इस दुर्घटना के कारण राजमार्ग पर यातायात कई घंटों तक बाधित रहा। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को यहां बताया कि जिले के हलिया थाना क्षेत्र के डामलगंज पहाड़ी के बड़का मोड़ पर ने मध्य रात्रि के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 07 पर मध्य प्रदेश के रीवा के निवासी ट्रक चालक रुद्र प्रताप पटेल पुत्र रामलखन ट्रक से जा रहा था। उसी समय वाराणसी की ओर जा रहे एक ट्रक के ब्रेक फेल होने के कारण दोनों ट्रकों में टक्कर हो गयी। दूसरे ट्रक को छत्तीसगढ़ के रायपुर निवासी कुलदीप सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह चला रहा था। घाटी में राजमार्ग पर खड़े एक अन्य ट्रक को भी अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। तीसरे ट्रक को स्थानीय लालगंज थाना क्षेत्र निवासी गिरधर कोल पुत्र कैलाश चला रहा था। तीनों ट्रक आपस में टकरा कर पलट गये। जिसमें गिरधर कोल की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि कुलदीप सिंह गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे इलाज के लिए मिर्जापुर मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान गुरुवार को सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। घटना के बाद मिर्जापुर जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 07 पर मार्ग अवरुद्ध होने के कारण यातायात थम गया। काफी मशक्कत के बाद खाली कराया गया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

जौनपुर : ओवरलोड ट्रकों के चालान में 22 लाख रु वसूला गया जुर्माना

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में शासन के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सात दिवसीय अभियान शुरु होने के पहले दिन ही 22 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिले के उपसंभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) एसपी सिंह के नेतृत्व में पिछले एक दिन में 59 ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पकड़े गए वाहनों से 22 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। इसी क्रम में एआरटीओ की टीम ने 13 वाहनों को जफराबाद, चंदवक, लाइन बाजार थाने में पकड़ा। इस बीच निरीक्षक दल के आने की जानकारी होने पर 46 चालक, अपने वाहन छोड़कर फरार हो गए। इन वाहनों का चालान किया गया। एआरटीओ ने बताया कि यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। जिले में कहीं भी ओवरलोड वाहन मिलेंगे उन्हें सीज किया जाएगा।

भ्रष्टाचार के आरोप में तीन एसआई निलंबित

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी ने भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस महकमे के तीन उप निरीक्षकों (एसआई) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ संजय कुमार ने गुरुवार को बताया कि वादिनी के तहरीर पर पंजीकृत शिकायत की विवेचना के दौरान चन्दवक थाने में तैनात एसआई विजय बहादुर सिंह का एक आडियो मिला है। इसमें सिंह को अभियुक्त पक्ष का बचाव किये जाने हेतु रिश्वत की मांग करते सुना जा सकता है। उक्त आडियो को संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से एसआई सिंह को निलम्बित कर दिया है। उन्होंने बताया कि इसी तरह गत 31 मई को एसआई हैदर अली को 10 हजार रुपया घूस लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक इकाई द्वारा रंगे हाथ पकड़े जाने के बाद थाना मड़ियाहूँ में मुकदमा पंजीकृत करकर जेल भेजा गया। उपरोक्त के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एसआई हैदर अली को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया। डा कुमार ने बताया 01 जून को मिले एक विडियो में एसआई राम नारायण गिरि को काम कराने के एवज में घूस लेने की बात कही जा रही है। इस पर संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एसआई राम नारायण गिरि को निलम्बित कर दिया है।

पीलीभीत : पुलिस पर महिलाओं को जमकर पीटने का आरोप

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में बुधवार की रात पूरनपुर कोतवली पुलिस पर भगवंतापुर गांव में जमकर उत्पात मचाते हुए कथित तौर पर महिलाओं की बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार ग्राम भगवंतापुर निवासी एक युवती ने पुलिस को दी गयी अपनी तहरीर में कहा कि उसके पिता व अन्य परिजनों ने उस पर शक के वशीभूत होकर बीती रात उसकी पिटाई की और दुपट्टे से गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। वह किसी तरह पड़ोसी अयूब शाह पुत्र महबूब के घर में जाकर छुप गयी। आरोप है कि युवती के परिजन महबूब शाह के घर में घुस गये और वहां भी उसकी हत्या का प्रयास किया गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस से भी युवती के परिजनों ने कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की की। पुलिस का आरोप है कि कुछ लोगों ने पुलिस की वर्दी भी फाड़ दी और उनकी नेम प्लेटें उखाड़ दीं। युवती के परिजनों का आरोप है कि उत्तेजित पुलिस ने घर में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। परिवार की महिलाओं को कथित रूप से जमकर पीटा गया। जिससे कई परिजनों को गंभीर चोटें आईं हैं। आरोप यह भी है कि गृहस्थी का सारा सामान भी पुलिस ने तोड़ दिया। कोतवाली पुलिस ने मीडिया को बताया कि इस मामले में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

चारबाग होटल अग्निकांड में 9 मौतों की जिम्मेदारी तय

जांच में एलडीए के 30 इंजीनियर-अफसर दोषी करार

लखनऊ। चारबाग होटल अग्निकांड में हुई नौ मौतों के लिए एलडीए के 30 इंजीनियर और अधिकारी जिम्मेदार हैं। दूसरी जांच में भी इन्हें दोषी पाया गया है।

आवास विकास परिषद के वित्त नियंत्रक धर्मेंद्र वर्मा की अगुवाई वाली समिति ने दो दिन पहले जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। इसमें चारबाग क्षेत्र में तैनात रहे इन इंजीनियरों, अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। इससे पहले एडीजी की जांच में भी सभी दोषी ठहराए गए थे। चारबाग के होटल एसएसजे और विराट में 19 जून 2018 को आग से झुलकर मौके पर ही सात लोगों की जान चली गई थी, दो घायलों ने बाद में दम तोड़ दिया था।

ये अफसर दोषी करार

अधिशासी अभियंता डीसी यादव, प्रदीप कुमार, मामचंद, सहायक अभियंता अजीत कुमार, राजेंद्र कुमार, अवर अभियंता गजराज यादव, पीके वर्मा, अनिल कुमार सिंह द्वितीय, मोहन चंद्र सती, सतीश चंद्र, पीएन पांडेय, अब्दुल रऊफ, जनार्दन सिंह, शिव शंकर सिंह, लालजी शुक्ला, महेंद्र सिंह, बालक राम, शिव तिवारी, गैंगमैन हरीनाथ, रवीन्द्र श्रीवास्तव, अनिल मिश्रा, गणेशी सिंह, जयवीर सिंह के अलावा आईएएस राकेश मिश्रा, पीसीएस वीरेंद्र पांडेय, विनोद कुमार भी दोषी मिले थे।

> होटल अग्निकाण्ड की जांच पूरी है। रिपोर्ट जिम्मेदार विभागों को भेज दी है। अब कार्रवाई विभागों को करनी है।
>
> **धर्मेन्द्र वर्मा, वित्त नियंत्रक, एलडीए**

शासन ने करवाई थी उच्चस्तरीय छानबीन

शासन ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई। तत्कालीन अपर पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा, एलडीए उपाध्यक्ष पीएन सिंह ने जांच की थी। इसमें एलडीए, जिला प्रशासन, आबकारी, लेसा अफसरों को दोषी ठहराया गया था। सभी विभागों के 50 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी दोषी पाए गए थे, मगर एलडीए ने सभी को बरी कर दिया। इंजीनियरों और कर्मचारियों को भी दोष मुक्त कर दिया गया तो शासन ने दोबारा जांच का फैसला किया।

कानपुर में सिपाही की गला रेतकर हत्या, दरवाजे पर ताला लटका हत्यारा फरार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक सिपाही की गर्दन रेतकर निर्मता से हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार मूलरूप से फिरोजाबाद के दयापुर पोस्ट पहाड़न निवासी 30 वर्षीय सिपाही देशदीपक कोतवाली क्षेत्र में वर्ष 2019 से तैनात है।

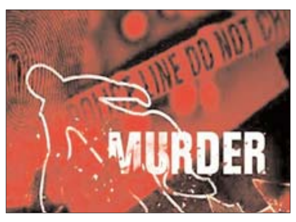

पुलिस ने बताया कि गुरुवार को सुबह सिपाही के परिजनों ने कोतवाली में सूचना दी कि उनका मोबाइल फोन बुधवार रात से स्विच ऑफ है। परिजनों ने जब मकान मालिक रमेश चन्द से संपर्क किया तो उसने भी बाहर से ताला पड़े होने व घर के अंदर पंखे चलने की आवाज आने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अनहोनी की आशंका से कमरा खुलवा कर देखा तो चारपाई पर लहूलुहान हालत में सिपाही का शव पड़ा था।

उसके गले पर धारदार हथियार से जख्म के निशान मिले। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और फॉरेंसिक टीम के सदस्य घटना की पड़ताल कर रहे हैं। फॉरेंसिक टीम की जांच पड़ताल पूरी होने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उप निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि मकान मालिक रमेश चन्द निवासी ब्रह्म नगर बिल्हौरसे कांस्टेबल देशदीपक के कमरे की बंद होने की सूचना प्राप्त हुई। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तो कांस्टेबल देश दीपक की गर्दन पर धारदार हथियार से कटे होने के निशान मिले। फील्ड यूनिट टीम को मौके पर बुलाया गया है। उच्च अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं।

कानपुर : खूंखार अपराधी को पुलिसवालों ने मंदिर में कराए दर्शन

कानपुर। कानपुर जिला जेल से शातिर अपराधी को हमीरपुर कोर्ट ले जाया गया। पुलिसकर्मियों ने वहां पर कल्पपृक्ष मंदिर में अपराधी को दर्शन कराए। दर्शन के बाद उसके खाने-पीने का बढ़िया इंतजाम भी कराया। यह सारा नजारा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। डीसीपी हेडक्वाटर संजीव त्यागी ने चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। हमीरपुर जिले के मौदहा निवासी लाला शफाक कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है। हत्या के केस में वह सजायाफ्ता है। 2015 में प्रशासनिक आधार पर उसको कानपुर जेल में शिफ्ट किया गया था। सोमवार को हमीरपुर कोर्ट में उसकी पेशी थी। पुलिस लाइन से गारद उसको लेकर हमीरपुर गई थी। जिसमें चालक हेड कांस्टेबल राजेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह, हेड कांस्टेबल गणेश यादव व हेड कांस्टेबल उपदेश यादव शामिल थे। पेशी होने के बाद चारों पुलिसकर्मी लाला शफाक के साथ स्थानीय मंदिर में चले गए। दर्शन करने के बाद वह वापस आ गए। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिसकर्मी निलंबित कर दिए गए। लाला शफाक खूंखार अपराधी है।

'सम्राट पृथ्वीराज' यूपी में टैक्स फ्री, योगी कैबिनेट ने फिल्म देखने के बाद लिया फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज को प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित कर दिया है। योगी कैबिनेट के लिए गुरुवार को फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी। इसके तुरंत बाद खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिल्म को टैक्स मुक्त करने की घोषणा की। फिल्म में अक्षय कुमार पृथ्वीराज की भूमिका में है। इससे पहले योगी सरकार ने कश्मीरी पंडितों के पीड़ी को दर्शाने वाली फिल्म द कश्मीर फाइल्स को भी टैक्स फ्री किया था।

सीएम योगी ने सबसे पहले अपने देर से आने की वजह बताते हुए कहा कि आप सब जानते हैं कि माननीय राष्ट्रपति और माननीय प्रधानमंत्री का कार्यक्रम है। उसी की तैयारियां देखने मैं कानपुर चला गया था इसीलिए मुझे थोड़ी देर हो गई। प्रसन्नता है कि आप सबने पूरे धैर्य और तन्मयता के साथ हमारे कलाकारों के इतिहास से जोड़ने के इस प्रयास से आप सब जुड़े रहे। उन्होंने कहा कि मैं जब कानपुर में था तो मेरे साथ सहयोगी मंत्री राकेश सचान ने कहा कि आज आपने फिल्म देखने के लिए हमें पहली बार कहा और आप ही हमें यहां साथ लेकर चले आए। सीएम योगी ने कहा कि मुझे लगता है कि बहुत अच्छी फिल्म बनाई है। लोग परिवार के साथ देख सकते हैं। ये मनोरंजक भी है और इससे इतिहास भी जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह फिल्म हमें बहुत कुछ इस बात के लिए प्रेरित करती है कि अतीत के बिना वर्तमान नहीं होता है। अतीत की कौन सी ऐसी गलतियां हैं जिन गलतियों का परिमार्जन लगातार 75 वर्षों से करते हुए हम आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में आए हैं। 75 वर्षों का ये कालखंड हम सब के लिए चिंतन और आत्मावलोकन का कालखंड है। आजादी के 25 वर्ष के अमृत काल में हमें देश को कहां लेकर जाना है। इस पर अभी से कार्ययोजना बनाकर उसे लागू करने का प्रयास हम सबके स्तर पर होना चाहिए।

राष्ट्र उत्थान के अभियान में हम सब की अपनी भूमिका होगी। कला अपने आप में एक प्रतिभा होती है।

पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में बुधवार को देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश पकड़ा गया है, जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। पुलिस अधीक्षक (नगर) अखिलेश भदौरिया ने गुरुवार को बताया कि कटघर थानाक्षेत्र में बीती देर रात पुलिस मुठभेड़ में इनामी बदमाश शहजाद के पैर में गोली लग गई। शहजाद को गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान उसका एक साथी पुलिस पर फायरिंग करते हुए चकमा देकर मौके से फरार हो गया। अखिलेश भदौरिया ने बताया कि शहजाद गोकशी के मामले में फरार चल रहा था। 15 दिन पहले मूंढापांडे में मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश नाजिम को गिरफ्तार किया गया था। उस वक्त आरोपी के कुछ साथी मौके से फरार हो गए थे। नाजिम ने पुलिस को पूछताछ में अपने साथी का नाम शहजाद निवासी पीर का बाजार जयंतीपुर थाना मझोला बताया था। इसके बाद से पुलिस शहजाद की तलाश में जुटी थी। बीती देर रात पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान अंधेरे में सामने से एक बाइक आती दिखाई दी, जिस पर दो व्यक्ति सवार थे। पुलिसकर्मियों ने चालक से बाइक रोकने के लिए कहा लेकिन चालक ने बाइक रोकने के बजाय भागने लगे। शक होने पर पुलिस कर्मियों ने पीछा किया तो रोड किनारे अनियंत्रित बाइक के फिसल जाने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जिससे सिपाही ऋतिक बाल बाल बच गया। पुलिसकर्मियों द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लग गई और वह घायल होकर गिर गया। जबकि दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाते हुए फायरिंग करते जंगल में फरार हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को जिला अस्पताल भिजवा दिया। जहां पूछताछ में उसने अपना नाम शहजाद बताया है।

इंडिगो ने बहाल की आगरा-अहमदाबाद विमान सेवा

आगरा। सात महीने के इंतजार के बाद इंडिगो एयरलाइंस ने गुरूवार को ताजनगरी आगरा से अहमदाबाद के लिये सीधी विमान सेवा बहाल कर दी जो सप्ताह में तीन दिन उपलब्ध रहेगी। अहमदाबाद से फ्लाइट दोपहर 12.05 बजे यहां खेरिया हवाई अड्डे पर आई और बीस मिनट बाद दोपहर 12.25 बजे अहमदाबाद लौट गई।

खेरिया हवाई अड्डे के निदेशक ए.ए. अंसारी ने बताया कि अहमदाबाद-आगरा फ्लाइट शुरू होने के बाद आगरा से अब पांच शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा उपलब्ध है। कुछ और प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू हो सकती है। गोवा और इंदौर के लिए भी विमान सेवा शुरू करने का प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया है। एक माह के भीतर इस प्रस्ताव पर निर्णय हो जाने की सम्भावना है। इससे न सिर्फ पर्यटन बल्कि व्यापार जगत को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगरा से सभी विमान सेवायें इंडिगो एयरलाइंस द्वारा दी जा रही हैं। दो नई उड़ानों पर भी इसी एयरलाइंस से बातचीत चल रही है। इसके अलावा स्पाइस जेट कम्पनी भी शीत ऋतु में आगरा से कुछ उड़ानें शुरू करने का मन बना रही है।

गौरतलब है कि अहमदाबाद-आगरा फ्लाइट बीते नवंबर से स्थगित चल रही थी। अक्टूबर, 2021 यह फ्लाइट शुरू हुई थी लेकिन अहमदाबाद हवाई अड्डे के रनवे के मरम्मत कार्य के चलते विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस ने इसे एक महीने बाद ही स्थगित कर दिया था। तब ये फ्लाइट आगरा से अहमदाबाद होते हुए नागपुर तक जा रही थी। इसके बंद होने से पर्यटन जगत को झटका लगा था।

जूता, कपड़ा आदि के कारोबारियों का आए दिन अहमदाबाद आना-जाना होता है। इस फ्लाइट के फिर से संचालित होने से उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी। अहमदाबाद-आगरा फ्लाइट प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध रहेगी।

अंसारी ने बताया कि वर्तमान में बेंगलुरु के लिए रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को, मुंबई के लिए मंगलवार, गुरुवार और रविवार को, भोपाल के लिए मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को, लखनऊ के लिए रविवार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को और अहमदाबाद के लिए मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को विमान सेवा उपलब्ध है।

मुरादाबाद : कुख्यात सट्टा माफिया अजीम की महलनुमा इमारत कुर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में कुख्यात सट्टा माफिया और गैंगस्टर एक्ट में आरोपी बनाये गये मोहम्मद अजीम की अवैध रूप से अर्जित की गयी करोड़ों रुपये कीमत की इमारत को जिला प्रशासन ने गुरुवार को कुर्क कर लिया।

अजीम के खिलाफ 37 से भी अधिक अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। सदर कोतवाली क्षेत्र के मनिहार वाली गली के अति व्यस्त इलाके में उसका महलनुमा मकान है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सदर) महेश चंद्र गौतम ने बताया कि अजीम की अवैध सम्पत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई की गई है। करोड़ों रुपये की लागत से बने महलनुमा मकान को सील करके कार्यवाही की जा रही है। अजीम को पिछले दिनों गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है। उसके विरुद्ध नागफनी थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। गौतम ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा अपराधियों की अवैध संपत्ति को कुर्क करने के लिये चल रही मुहिम के तहत मुरादाबाद में यह कार्रवाई की गयी।

कोयला आयात का अतिरिक्त खर्च केन्द्र करे वहन: इंजीनियर फेडरेशन

लखनऊ ।ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने मांग की है कि केंद्र सरकार को राज्य के बिजली उत्पादन गृहों पर दवाब डालने के बजाय कोयला आयात के अतिरिक्त खर्च को वहन करना चाहिये।

फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने गुरूवार को यहां जारी बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने एक जून को जारी आदेश में कहा है कि राज्यों के जिन बिजली घरों ने तीन जून तक कोयला आयात करने के टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ नही कर दी है अथवा आयातित कोयले के लिए कोल इंडिया को इंडेन्ट नही दिया है, उनके डोमेस्टिक कोयले के आवंटन में सात जून से कटौती कर उन्हें आवंटन का 70 प्रतिशत कोयला ही दिया जायेगा। आदेश के अनुसार कोयला आयात न करने पर ऐसे बिजली घरों के घरेलू कोयला आवंटन में और कटौती करते हुऐ 15 जून से उन्हें आवंटन का 60 फीसद कोयला ही दिया जायेगा।

उन्होने देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आम जनता के हित मे इस आदेश का विरोध करने की माँग की और कहा कि उत्तर प्रदेश के अलावा तेलंगाना, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड, केरल और हरियाणा ने कोयला न आयात करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि एक ओर तो केंद्र सरकार अप्रैल तक यह दावा करती रही है कि कोल इंडिया का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा है और कोयले का कोई संकट नहीं है दूसरी ओर अब इसके ठीक विपरीत केंद्र सरकार यह कह रही है कि राज्य के ताप बिजली घर कोयला आयात करें और अब यह कोयला आयात का कार्यक्रम 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यों के अधिकांश ताप बिजली घर आयातित कोयले के लिए डिजाइन नही किये गए हैं। आयातित कोयला ब्लेंड करने से इनके बॉयलर में ट्यूब लीकेज बढ़ जाएंगे। इससे साफ हो जाता है कि केंद्र सरकार ने कोयला आयात करने को मुख्य ध्येय बना लिया है।

दुबे ने कहा कि रेलवे के रेक की कमी मुख्य कारण बताई जा रही है ।ऐसे में आयातित कोयला जो बंदरगाहों पर आएगा वहां से कई हजार किलोमीटर दूर स्थित ताप बिजली घरों तक किस तरह यह कोयला पहुंचाया जाएगा यह भी केंद्रीय विद्युत मंत्री को बताना चाहिए।

जौनपुर में लगेंगे इस साल 53 लाख से अधिक पौधे : जिलाधिकारी

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपड़ समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को सम्पन्न हुई। इसमें वर्ष 2022-23 में कुल 53 लाख 12 हजार 72 पेड़ पूरे जिले में लगाये जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

बैठक में वर्मा ने इस लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण करने के साथ लगाए गए सभी पौधों की देखभाल करने की भी सभी की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण के इस अभियान में आम जनमानस को भी जोड़ा जाए, जिससे पौधों की देखभाल सुनिश्चित हो और पर्यावरण समृद्ध हो।

उन्होंने कहा कि जहां पर वृक्षारोपण किया जाए, वहां के स्थानीय लोगों को ही पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी दी जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभागों ने अभी अपनी कार्ययोजना नहीं दी है, वे तत्काल इसे दे दें। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों पर वृहद रूप से वृक्षारोपण कराए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अन्य मुख्य सड़कें भी चिन्हित कर वृक्षारोपण किया जाए। इस बार गोमती घाट पर भी वृक्षारोपण किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में पोषण वाटिका विकसित की जाए जिसमें आंवला, सहजन, अमरूद आदि पौधे लगाये जायें। उपायुक्त, मनरेगा भूपेंद्र सिंह को निर्देशित किया कि चारागाह के किनारे-किनारे वृक्ष लगायें।

इस दौरान उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश कुमार को निर्देश दिया कि जनपद के 106 गो-आश्रय स्थलों में बरगद, पाकड़, पीपल जैसे छायादार वृक्ष लगवाए जाएं। जिलाधिकारी ने बैठक में मौजूद अन्य विभागीय अधिकारियों को भी वृक्षारोपण संबंधी आवश्यक दिशानिर्देश दिये।

मोदी लेंगे इन्वेस्टर समिट में हिस्सा, कोविंद के गांव में करेंगे जनसभा

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुरू होने वाली यूपी इन्वेस्टर समिट की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में हिस्सा लेंगे और बाद में कानपुर देहात जिले में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के गांव परौंख में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली ग्रांउड ब्रेकिंग सेरेमनी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुरू होगी जिसमें देश के नामचीन उद्योगपति हिस्सा लेंगे। इन्वेस्टर समिट में 80 हजार करोड़ रूपये से अधिक की करीब 1406 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जायेगा।

आधिकारिक सूत्रों ने गुरूवार को बताया कि प्रधानमंत्री कल सुबह 11 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचेंगे और यूपी इंवेस्टर समिट की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में हिस्सा लेंगे। सेरेमनी के उदघाटन सत्र में भाग लेने के बाद श्री मोदी कानपुर देहात के परौंख गांव के लिये रवाना हो जायेंगे और दोपहर करीब पौने दो बजे वह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ पथरी माता मंदिर के दर्शन करेंगे।

श्री मोदी करीब दो बजे डा बीआर अंबेडकर भवन जायेंगे जिसके बाद वह राष्ट्रपति के पैतृक निवास 'मिलन केन्द्र' पहुंचेंगे। राष्ट्रपति ने यह केन्द्र जनता को समर्पित कर दिया है और इसे सामुदायिक केन्द्र के तौर पर परिवर्तित कर दिया गया है। श्री मोदी दोपहर ढाई बजे परौंख गांव में एक सार्वजनिक समारोह में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में प्रधानमंत्री 80,000 करोड़ रुपये से अधिक की 1406 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। परियोजनाओं में कृषि और संबद्ध, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स, एमएसएमई, विनिर्माण, अक्षय ऊर्जा, फार्मा, पर्यटन, रक्षा एवं एयरोस्पेस, हथकरघा तथा कपड़ा आदि जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। इस समारोह में देश के उद्योग जगत के दिग्गज शामिल होंगे।

शार्ट न्यूज

एनएमडीसी ने मई 2022 में किया 32 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने वित्त वर्ष 2022-23 के मई माह में 32 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया। कंपनी ने इस अवधि के दौरान 26.5 लाख टन लौह अयस्क की बिक्री की। एनएमडीसी इस्पात मंत्रालय के तहत एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है जो देश का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि मई 2022 में लौह अयस्क का उत्पादन पिछले वर्ष के इसी माह के 28 लाख टन की तुलना में 14.3 फीसदी अधिक है। एनडीएमसी का चालू वित्त वर्ष के दो माह में उत्पादन 7.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 63.5 लाख टन रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 59.1 लाख टन था। एनएमडीसी ने अप्रैल-मई 2022 तक 57.7 लाख टन लौह अयस्क की बिक्री की। एनएमडीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुमित देब ने कहा, उत्पादन में हमारी निरंतर वृद्धि ने एनएमडीसी को न केवल भारत में सबसे तेजी से बढ़ती लौह अयस्क खनन कंपनी बना दिया है, बल्कि घरेलू इस्पात क्षेत्र के लिए सर्वाधिक सुस्थिर आपूर्तिकर्ता भी बना दिया है। हमने अपने व्यवसाय में नए युग की प्रौद्योगिकी और डिजिटल हस्तक्षेप को बड़े पैमाने पर अपनाकर अपने आधार को मजबूत किया है।

खाद्य तेलों में टिकाव

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर आवक के बराबर उठाव नहीं होने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा वहीं मूंग दाल और गुड़ सस्ता हो गया जबकि गेहूं और चीन के भाव चढ़ गए। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 108 रिंगिट उबलकर 6745 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.32 सेंट बढ़कर 78.43 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चीनी 50 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई वहीं गुड़ के भाव 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर गए। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में लगभग टिकाव रहा। इस दौरान मूंग दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, चना, चना दाल, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज ~ अनाज मंडी में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान गेहूं 20 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि चावल के भाव स्थिर रहे।

रूपीक घर-घर जाकर 0.49 प्रतिशत ब्याज दर पर देगी गोल्ड लोन

नयी दिल्ली। फिनटेक कंपनी रूपीक ने प्रतिमाह 0.49 प्रतिशत की ब्याज दर से घर-घर जाकर गोल्ड लोन देने की आज घोषणा की। कंपनी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि 0.49 प्रतिशत की इस पेशकश के प्रचार के लिए उसने एक 360-डिग्री मार्केटिंग कैम्पेन चलाया है, जिसमें सबसे लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन कपल मनोज बाजपेयी और प्रियामणि हैं। यह पेशकश रूपीक के परिचालन वाले सभी शहरों में लाइव है जबकि कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख बाजारों में टीवी, ओओएच और डिजिटल पर एक व्यापक मार्केटिंग कैम्पेन लाइव है। रूपीक के मार्केटिंग और डिजिटल के एसवीपी शलभ अत्रे ने कैम्पेन के शुभारंभ पर कहा, 0.49 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज दर की हमारी नई पेशकश ग्राहकों को सुरक्षित ऋण तक आसान पहुंच देने और उनकी आकांक्षाएं पूरी करने में उनकी सहायता करने की रूपीक की योजना के अनुसार है।

आईआईएम अहमदाबाद ने कृषि भूमि मूल्य सूचकांक पेश किया

नयी दिल्ली। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएम-ए) ने गुरुवार को देश के पहले कृषि भूमि मूल्य सूचकांक (आईएसएएलपीआई) को पेश किया। यह अपनी तरह का पहला भूमि मूल्य सूचकांक है जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में कृषि भूमि की कीमतों के गुणवत्ता नियंत्रि डेटा को दर्ज और प्रस्तुत करेगा।

आईआईएम-अहमदाबाद ने एसफार्म्सइंडिया के सहयोग से कृषि भूमि मूल्य सूचकांक विकसित किया है। वर्तमान में सूचकांक छह राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश के भूमि सूचीकरण डेटा पर आधारित है।

संयुक्त बयान में बताया गया कि यह सूचकांक एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में काम करेगा जो कृषि भूमि के अचल संपत्ति में संभावित रूपांतरण का संकेत देगा। वित्तीय संपत्तियों के विपरीत, भूमि के लिए एक सूचकांक विकसित करना एक जटिल कार्य है क्योंकि बाजार में व्यापक आपूर्ति-मांग कारकों सहित कई कारकों के कारण अलग-अलग लिस्टिंग में दृश्यमान मूल्य अंतर है।

आईएसएएलपीआई की तैयारी के लिए अपनाई गई विधि इन असमानताओं को दूर करती है और सटीकता सुनिश्चित करती है। इसे प्रतिगमन-आधारित हेडोनिक मूल्य निर्धारण विधियों का उपयोग करके एक साथ रखा गया है।

आईआईएम-अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर एर्रोल डिसूज ने कहा, भारत में केवल 20 करोड़ हेक्टेयर के साथ दुनिया की फसली भूमि का केवल दो प्रतिशत हिस्सा है लेकिन दुनिया की 15 प्रतिशत से अधिक आबादी को इसी भूमि से खाद्यान्न मिलता है। हमने कृषि भूमि और संबद्ध व्यवसायों में उद्यमशीलता की रुचि में वृद्धि देखी है। कृषि इंजीनियरिंग से लेकर सटीक खेती तक, खाद्य प्रौद्योगिकी से लेकर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और हरित ऊर्जा तक की रुचि में वृद्धि देखी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि भारत के लिए ऐसा सूचकांक लॉन्च करने का यह सही समय है। आईएसएएलपीआई के साथ हम सभी हितधारकों के लिए राष्ट्रीय और साथ ही क्षेत्रीय स्तरों पर सूचित निर्णय लेने में सक्षम होने और कृषि व्यवसाय गतिविधियों का समर्थन करने के लिए बेहतर डेटा स्रोत बनाने की उम्मीद करते हैं।

सूचकांक नीति निर्माताओं, स्थानीय सरकारों, पर्यावरणविदों, निवेशकों, रियल एस्टेट डेवलपर्स और फाइनेंसरों सहित पूरे क्षेत्र के हितधारकों को बहुत लाभान्वित कर सकता है। उदाहरण के लिए इस सूचकांक का उपयोग स्थानीय सरकारों द्वारा उन लोगों की क्षतिपूर्ति के लिए किया जा सकता है जो राजमार्ग विस्तार के लिए भूमि खो देते हैं।

प्रोजेक्ट प्रमुख और आईआईएम-अहमदाबाद में रियल एस्टेट फाइनेंस के संयुक्त प्रोफेसर डॉ प्रशांत दास ने कहा, निवेशक इस जानकारी का उपयोग ऐतिहासिक जोखिम का आकलन करने और अतीत में वापसी और भविष्य में उनकी निवेश भूमिका पर निर्णय लेने के लिए इन मैट्रिक्स की भविष्यवाणी करने के लिए कर सकते हैं। निधि प्रबंधक और निर्माता इस जानकारी का उपयोग अपने स्वयं के प्रदर्शन को व्यापक रूप से मानदण्ड करने के लिए कर सकते हैं। वित्तीय पोषण और बीमाकर्ता इस जानकारी का उपयोग सूचकांक में परिलक्षित परिसंपत्ति वर्ग से संबंधित कंपनी में जोखिम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस, टाटा स्टील, एनटीपीसी, आईटीसी और एसबीआई समेत बीस दिग्गज कंपनियो में हुई लिवाली की बदौलत सेंसेक्स और निफ्टी पिछले लगातार दो दिन की गिरावट से उबरकर आज आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहे।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 436.94 अंक की उड़ान भरकर 55818.11 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 105.25 अंक उछलकर 16628 अंक पर रहा। इस दौरान दिग्गज और छोटी कंपनियों के विपरीत मझौली कंपनियों में गिरावट रही। बीएसई का मिडकैप 0.04 प्रतिशत फिसलकर 23,111.21 अंक वहीं स्मॉलकैप 0.60 प्रतिशत मजबूत होकर 26,694.78 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3444 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1970 में तेजी जबकि 1339 में मंदी रही वहीं 135 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 29

कंपनियों में लिवाली जबकि शेष 21 में बिकवाली हुई।

बीएसई वित्त, कैपिटल गुड्स, बैंकिंग और ऑटो समूह की 0.65 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 15 समूहों में तेजी रही। ऊर्जा समूह ने सर्वाधिक 2.33 प्रतिशत का मुनाफा कमाया। इसके अलावा बढ़त पर रहने वाले अन्य प्रमुख समूहों में बेसिक मैटेरियल्स 0.45, आईटी 1.56, दूरसंचार 0.67, यूटिलिटीज 1.07, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.49, धातु 0.88, पावर 0.93, रियल्टी 0.85, टेक 1.55 और तेल एवं गैस 2.14 प्रतिशत शामिल है।

विदेशी बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.98, जापान का निक्केई 0.16 और हांगकांग का हैंगसेंग 1.00 प्रतिशत गिर गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.74 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.42 प्रतिशत की तेजी रही।

कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 55,382.44 अंक पर सपाट खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 55,135.11 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। लिवाली शुरू होने से यह लगातार चढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 55,891.92 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने में कामयाब रहा। अंत में पिछले दिवस के 55,381.17 अंक के मुकाबले 0.79 प्रतिशत की छलांग लगाकर 55,818.11 अंक पर रहा।

वहीं, निफ्टी ने कमजोर शुरुआत की और यह 41 अंक फिसलकर 16,481.65 अंक पर खुला। बिकवाली के दबाव में 16,443.05 अंक के निचले स्तर तक गिरा वहीं लिवाली होने से 16,646.40 अंक के उच्चतम स्तर पर चढ़ गया। अंत में पिछले सत्र के 16,522.75 अंक की तुलना में 0.64 प्रतिशत मजबूत होकर 16,628 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान रिलायंस के शेयर सर्वाधिक 3.51 प्रतिशत की तेजी पर रहे वहीं एचडीएफसी ने सबसे अधिक 1.69 प्रतिशत का नुकसान उठाया। बढ़त पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में सन फार्मा 2.35, एचसीएल टेक 2.08, टीसीएस 1.98, इंफोसिस 1.96, टाटा स्टील 1.72, एनटीपीसी 1.43, आईटीसी 0.59, एसबीआई 0.33 और भारतीय एयरटेल 0.24 प्रतिशत शामिल रही।

विस्तारा पर डीजीसीए ने लगाया 10 लाख रुपये का जुर्माना

Directorate General of Civil Aviation
Ministry of Civil Aviation
Government Of India

नयी दिल्ली। उड्डयन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा समूह की विमानन कंपनी विस्तारा पर प्रशिक्षण के पहले अधिकारियों को विमान की उड़ान भरना और उतारने की मंजूरी के उल्लंघन के लिए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

आधिकारिक सूत्रों ने यूनीवार्ता से कहा, सुरक्षा संबंधी उल्लंघन के लिए एयरलाइन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इंदौर एयरपोर्ट पर विमान को उतारने के दौरान इस उल्लंघन का पता लगा था।

अधिकारी ने बताया कि यात्रियों से भरे विमान को उतारने से पूर्व पहले अधिकारी के लिए सिम्युलेटर में विमान को उतारने के लिए एक प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है।

इसी तरह, पहले अधिकारी को विमान को उतारने के लिए देने से पहले एक कप्तान को भी सिम्युलेटर में प्रशिक्षित किया जाता है।

अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा चूक ने यात्रियों के जीवन को खतरे में डाल दिया। उन्होंने कहा, सिम्युलेटर में प्रशिक्षित कैप्टन या पहले अधिकारी के बिना विमान को पहले अधिकारी द्वारा उतारा जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि उड्डयन नियामक डीजीसीए ने स्पाइजेट पर 10 लाख का जुर्माना लगाया था। एयरलाइन ने 737 मैक्स विमान के पायलटों को खराब सिम्युलेटर पर प्रशिक्षण दिया था।

दो साल के कोविड ब्रेक के बाद ऑफलाइन कोटा कोचिंग फिर फर्स्ट् च्वाइस

इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए हजारों स्टूडेंट्स और पेरेन्ट्स पहुंच रहे एलन कोटा

कोटा। दो वर्ष के कोविड के कड़वे अनुभवों के बाद कॅरियर एण्ड केयर सिटी कोटा में रौनक लौट आई है। बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होने के साथ ही इंजीनियरिंग व मेडिकल के साथ-साथ अब कॉमर्स में कॅरियर बनाने के लिए भी देशभर से लाखों स्टूडेंट्स कोटा आने लगे हैं। कोटा में इस वर्ष अब तक का सर्वाधिक फुट-फॉल देखा जा रहा है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से लेकर व्यक्तिगत वाहनों तक से बड़ी संख्या में स्टूडेंट् और पेरेन्ट्स कोटा आ रहे हैं। यहां कोचिंग संस्थानों में एडमिशन ले रहे हैं। स्टूडेंट्स के कोटा आने को लेकर स्थानीय शहरवासियों से लेकर व्यापारियों और हर वर्ग में उत्साह है। छोटे थड़ी वाले से लेकर ऑटो रिक्शा चालक, हॉस्टल संचालक, मैस संचालक, डेयरी, फ्रूट-ज्यूस, चाय-कॉफी, स्टेशनर्स वाले सभी खुश हैं और स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स की आवभगत में लगे हुए हैं। वहीं पिछले दो वर्षों में कोटा शहर में सौंदर्यीकरण के जो कार्य हुए हैं, उससे भी स्टूडेंट्स और पेरेन्ट्स को माहौल सुविधाजनक व सुरक्षित लग रहा है।

शिक्षा की काशी कोटा अपनी प्रगति की उड़ान को और ऊंची करने जा रहा है। पिछले ही दिनों यहां के सबसे बड़े संस्थान एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट व बोधि ट्री सिस्टम्स ने हाथ मिलाया है। बोधि ट्री सिस्टम्स ने एलन में 4500 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। यह निवेश कोटा के साथ-साथ एजुकेशन इंडस्ट्री में पूरे भारत और विशेषरूप से राजस्थान के लिए बहुत अच्छा माना जा रहा है। एलन के निदेशक बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि एलन व बोधि ट्री सिस्टम का जुड़ाव एलन ही नहीं कोटा कोचिंग के लिए बड़ा अध्याय साबित होगा, क्योंकि इससे कोटा कोचिंग पैटर्न को नई ऊंचाइयां मिलने वाली हैं। 46 शहरों में 138 अध्ययन केंद्र भारत के साथ-साथ मिडिल ईस्ट में उपस्थिति एलन की प्रगति और मजबूती को दर्शाता है। गत 12 वर्षों में एलन के 17 स्टूडेंट्स ने जेईइ व मेडिकल प्रवेश परीक्षा में आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। एलन द्वारा हाल ही में साइंस के साथ कॉमर्स में भी सीए व सीएस कोर्सेज के लिए कोचिंग देना शुरू कर दिया गया है। जेईई व नीट के साथ ओलम्पियाड व अन्य परीक्षाओं में श्रेष्ठ परिणामों के चलते एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट देशभर के स्टूडेंट्स की फर्स्ट् च्वाइस बन रहा है।

सुरक्षित वातावरण

कोटा में बेस्ट फैकल्टीज और बेस्ट स्टूडेंट्स के साथ सुरक्षित वातावरण भी है। यहां का माहौल स्टूडेंट्स फ्रेंडली है। कश्मीर से कन्याकुमहारी और पूर्वोत्तर से पश्चिम तक के स्टूडेंट्स यहां आकर कॅरियर बना रहे हैं। कोटा में देश के लगभग सभी प्रांतों से 40 से 50 हजार से अधिक छात्राएं आकर अध्ययन करती हैं। घर से हजारों किलोमीटर दूर रहने वाली इन छात्राओं को यहां घर जैसा सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाया जाता है। पढ़ाई के साथ खान-पान का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। हॉस्टल संचालक, मैस संचालकों के साथ शहरवासी भी स्टूडेंट्स को मेहमान की तरह रखते हैं।

एडमिशन की शुरुआत

कोटा कोचिंग में एडमिशन्स की शुरूआत हो चुकी है और बोर्ड परीक्षाएं संपन्न होने के बाद जून के पहले सप्ताह में बड़ी संख्या में प्रवेश का अनुमान लगाया जा रहा है। एलन में एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट में शामिल होकर एडमिशन लिया जा सकता है। यह परीक्षा देशभर में आयोजित की जाती है। टेस्ट में प्रदर्शन के आधार पर स्टूडेंट्स फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉरलशिप प्राप्त कर सकते हैं।

र्प्रधानमंत्री मोदी ने भी सराहा

कॅरियर सिटी कोटा कोविड के टाइम में केयर सिटी कोटा के रूप में भी पहचाना गया। यहां कोचिंग संस्थानों ने राज्य और केन्द्र सरकार के साथ मिलकर 50 हजार से अधिक स्टूडेंट्स को सुरक्षित व स्वस्थ घर पहुंचाया। कोटा में रहने वाले स्टूडेंट्स की भी पूरी तरह से देखभाल की। यही नहीं इससे पहले भी कोटा कोचिंग की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई की हर स्तर पर तारीफ हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही कोटा को शिक्षा की काशी का नाम दिया। विभिन्न मंचों पर प्रधानमंत्री मोदी कोटा द्वारा बच्चों के कॅरियर बनाने की सराहना कर चुके हैं। एलन के निदेशक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी ने बताया कि एलन में शिक्षा के साथ संस्कारों को भी प्राथमिकता दी जाती है। प्रयास यह रहता है कि स्टूडेंट डॉक्टर व इंजीनियर के साथ-साथ अच्छा इंसान भी बने। बच्चों के लिए यहां मोटिवेशनल सेशन और अध्यात्म से जुड़े कार्यक्रम करवाए जाते हैं जिससे वे जीवन में संघर्ष करना सीख सकें।

छोटी उम्र से शुरुआत

कोटा में कॅरियर बनाने की शुरुआत छोटी उम्र से होने लगी है। एलन में अब कक्षा 6 से स्टूडेंट्स प्रवेश लेने लगे हैं और कॅरियर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। एलन प्री-नर्चर कॅरियर फाउंडेशन (पीएनसीएफ) में कक्षा 6 से 10 की तैयारी करवाई जाती है। इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ नेशनल व इंटरनेशनल ओलम्पियाड केवीपीवाय एनटीएसई सहित अन्य परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। कोटा के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में प्री-नर्चर कक्षा 6 से 10 के करीब 10 हजार स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। इसके साथ ही एलन इंटेलीब्रेन व अर्ली चाइल्डहुड डवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से एचकेजी से कक्षा 8 तक के बच्चों के मस्तिष्क के विकास और बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए प्रायोगिक व खेल के आधार पर बच्चों को तैयार किया जाता है। एलन के निदेशक नवीन माहेश्वरी ने बताया कि बच्चों की छोटी उम्र से प्रतिभा को निखारा जाए तो बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। एलन इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे इंटरनेशनल ओलम्पियाड में भारतीय स्टूडेंट्स का प्रदर्शन बेहतर हुआ है।

हर घर में होगा एलन

एलन के निदेशक राजेश माहेश्वरी ने कहा कि एलन हर स्टूडेंट का कॅरियर बनाने का सपना रखता है। इसके लिए आगामी वर्षों में हर तरह की कोचिंग करवाई जाने की तैयारी भी चल रही है। हम चाहते हैं कि जो भी स्टूडेंट कॅरियर बनाने की सोचे तो उसके सामने एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट एक विकल्प के तौर पर रहेगा। हर क्षेत्र में श्रेष्ठ फैकल्टीज व श्रेष्ठ संसाधन उपलब्ध करवाकर श्रेष्ठ परिणाम देने के प्रयास किए जाएंगे। एलन हर घर तक पहुंचने के लिए अब ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन के विकल्प के रूप में भी स्टूडेंट्स के साथ है। कहीं भी कभी भी स्टूडेंट्स की पढ़ाई के लिए एलन तैयार रहेगा। शिक्षा को सुलभ और हर छात्र तक पहुंच के लिए निरन्तर प्रयास किए जाएंगे।

8 स्टूडेंट्स से हुई थी कोटा कोचिंग की शुरुआत

कोटा कोचिंग को आज जिस रूप में देखा जा रहा है इसका बीजारोपण 1988 में शिक्षक राजेश माहेश्वरी द्वारा किया गया। साढ़े तीन दशक पहले अन्य शहरों की तरह कोटा में भी तब ट्यूशन का कल्चर था। इस दौरान राजेश माहेश्वरी स्टूडेंट्स का समय बचाने और उनकी परेशानियों को कम करने के उद्देश्य से सभी विषयों की कोचिंग एक ही छत के नीचे करने का नवाचार किया। कोटा में 1988 में पहली बार राजेश माहेश्वरी द्वारा सभी विषयों की कोचिंग एक जगह पर देने के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की स्थापना की। पहले दिन मात्र 8 स्टूडेंट्स की क्लास हुई। सभी विषयों की पढ़ाई एक जगह होने से समय की बचत हुई और स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए समय मिलने लगा, इससे परिणाम भी अच्छे आने लगे। आज 34 वर्षों की मेहनत के बाद कोटा कोचिंग देश ही नहीं दुनिया में विख्यात है।

अब कॉमर्स में भी कोटा कोचिंग

कोटा में मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ अब कॉमर्स विषय की प्रवेश परीक्षाओं के लिए भी कोचिंग शुरू हो गई है। यहां स्टूडेंट्स कॉमर्स की कोचिंग के लिए भी आने लगे हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने कॉमर्स कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले स्टूडेंट्स का भी मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया है। एलन की इस घोषणा के साथ कॉमर्स में कॅरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों में उत्साह है। 2022-23 सत्र के कक्षा 11 व 12 के स्टूडेंट्स के लिए कॉमर्स के बैच कोटा व मुम्बई स्थित स्टडी सेंटर्स पर जून के अंतिम सप्ताह व जुलाई के पहले से शुरू होंगे। एलन कॉमर्स डिवीजन द्वारा कक्षा 11(Class vvth Commerce), कक्षा 12 , सीए फाउंडेशन कोर्स तथा सीएस एक्जीक्यूटिव एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी करवाई जाएगी। कोटा व मुम्बई के बाद जहां-जहां एलन के सेंटर्स हैं, वहां-वहां कॉमर्स डिवीजन शुरू होंगे। यहां ऑफलाइन के साथ-साथ रिकॉर्डेड लेक्चर बेकअप उपलब्ध करवाए जाएंगे। ये बेकअप रिवीजन के उद्देश्य से उपलब्ध करवाए जाएंगे।

ओवरसीज में कोटा कोचिंग

कोटा कोचिंग अब सिर्फ देश में इंजीनियरिंगव मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी तक ही सीमित नहीं है। देश के बाहर भी कोटा कोचिंग की खुशबू फैल रही है। एलन द्वारा ओवरसीज में शुरू की गई क्लासरूम कोचिंग में भी बेहतर उत्साह नजर आ रहा है। विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के परिवारों के स्टूडेंट्स के साथ-साथ विदेशी छात्र जो देश के शिक्षण संस्थानों में पढ़ने के इच्छुक होते हैं, वे ओवरसीज में कोटा कोचिंग के स्टडी सेंटर्स में एडमिशन ले रहे हैं। एलन ओवरसीज द्वारा मिडिल ईस्ट में अध्ययन केन्द्र की शुरुआत की गई है। इसमें यूएई के दुबई, अबूधाबी, शारजहां तथा कतर के दोहा में स्टडी सेंटर्स संचालित हैं तथा बहरीन, कुवैत, ओमान, साउदी अरेबिया व नेपाल में ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। विदेश में भी एलन में पढ़ने के लिए स्टूडेंट्स उत्सुक नजर आ रहे हैं। सभी जगह मेडिकल व इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम के लिए बड़ी संख्या में एडमिशन हो रहे हैं।

विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश परीक्षा की तैयारी

कोटा में अब ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, एमआईटी, टोरंटो जैसे दुनिया के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए कोचिंग दी जाने लगी है। यहां एलन ने एलन ग्लोबल स्टडीज की शुरुआत की है। इसके परिणाम भी अच्छे आने लगे हैं। इसके बाद कोटा कोचिंग की पढ़ाई अब सिर्फ भारतीय मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेजों की प्रवेश परीक्षा की तैयारी तक ही सीमित नहीं है। इससे कई अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों में स्टूडेंट्स के प्रवेश भी सुनिश्चित कोटा कोचिंग से हो रहे हैं। यहां सेट , आईलिट्स] टॉफेल] जीमेट की तैयारी करवाई जाती है। दुनिया की टॉप रैंकिंग यूनिवर्सिटीज में एलन ग्लोबल स्टडीज डिवीजन के स्टूडेंट्स प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं। एलन के चित्रांग मूर्डिया, स्तुति खांडवाला का एडमिशन एमआईटी अमरीका में हुआ। इसके अलावा ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, टोरंटो, वॉरविक, पोर्डू, सिंगापर, पेनीसिलवेनिया, मेलबोर्न सहित कई यूनिवर्सिटी में यहां के स्टूडेंट्स का चयन हुआ है।

हर क्षेत्र में श्रेष्ठ परिणाम

कोटा कोचिंग के जेईई व मेडिकल के क्षेत्र में श्रेष्ठ परिणाम रहे हैं। यहां के स्टूडेंट्स 17 स्टूडेंट्स अब तक आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर चुके हैं। जेईई-एडवांस्ड 2021 के आल इंडिया रिजल्ट्स में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के क्लासरूम कोचिंग छात्र मृदुल अग्रवाल ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है। मृदुल अग्रवाल कक्षा 9 से 12 तक लगातार 4 वर्ष से एलन के क्लासरूम प्रोग्राम का स्टूडेंट रहा। कि पिछले 8 वर्षों में यह चौथी बार है जब एलन स्टूडेंट आल इंडिया टॉपर रहा है। इससे पूर्व सत्र 2014 में चित्रांग मूर्दिया, 2016 में अमन बंसल और 2019 में कार्तिकेय गुप्ता ने आल इंडिया रैंक-1 हासिल की थी। इसी तरह नीट-2021 में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के 5 स्टूडेंट्स ने एआईआर टॉप-5 में स्थान बनाया है तथा 16 स्टेट्स में टॉप किया है। वर्ष 2020 में एलन के शोएब ऑफताब ने 720 में से 720 अंक प्राप्त कर आल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की थी। इससे पूर्व एम्स-2017 के परिणामों में सभी टॉप-10 रैंक पर एलन स्टूडेंट्स रहे।

नवाचार भी हो रहे कोटा में

कोचिंग क्षेत्र में कोटा में लगातार नवाचार भी हो रहे हैं। यहां के रिलायबल इंस्टीट्यूट की एचओडी द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग के आधार पर स्टूडेंट्स की परफोरमेंस और उनकी क्षमता को परखा जा रहा है। इसके अलावा स्टूडेंट्स को किस प्रकार बेहतर भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है, उनकी समस्याएं क्या है और उन्हें हल करने में कितना समय लगता है, यह सब अध्ययन करते हुए स्टूडेंट्स को बेहतर पढ़ाई और प्रश्न पत्र हल करने के बारे में समझाया जा रहा है। एआई के आधार पर पेपर एण्ड स्टूडेंट एनालिसिस को देशभर के पेरेन्ट्स भी सराह रहे हैं।

इन शहरों में है एलन

एलन राजस्थान में कोटा के साथ जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, सीकर, रावतभाटा, तारानगर, तमिलनाडु में चैन्नई, कोयंबटूर, मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, महाराष्ट्र के मुम्बई, नागपुर, पुणे, नांदेड़, नासिक, ओडिशा के भुवनेश्वर, पंजाब के मोहाली, आंध्रप्रदेश के तिरूपति, आसाम के गुवाहाटी, पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, सिलिगुड़ी, छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सूरत, वडोदरा, हरियाणा के पचकुला, हिसार, झारखंड के रांची, कर्नाटक के बैंगलुरु, मैंगलुरू, मैसुर, केरल के कोच्चि, केन्द्रशासित प्रदेशों में जम्मू, चंडीगढ़, पुडुचेरी, श्रीनगर, उत्तराखंड के देहरादून में स्टडी सेंटर्स हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र के बुल्धाना, राजस्थान के बूंदी, झुंझुनूं, तमिलनाडु के पवाई में स्कूल इंटीग्रेडेट प्रोग्राम संचालित है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट

जेईई एडवांस्ड, जेईई-मेन], प्री-मेडिकल नीट-यूजी , सीए, सीएस, क्लास 6 से 10, केवीपीवाय , एनटीएसई , प्री-नर्चर एंड कॅरियर फाउंडेशन (कक्षा 6 से 10, एनटीएसई और ओलंपियाड) की तैयारी के लिए भारत का प्रमुख कोचिंग संस्थान है। एलन का फोकस स्टूडेंट्स के नॉलेज और कॉन्सेप्ट के फाउंडेशन को मजबूत करना है। एलन स्टूडेंट्स को प्रतियोगी परीक्षाओं और कक्षा 12 पाठ्यक्रम की तैयारी के लिए बेस्ट प्लेटफार्म उपलब्ध करवाता है। स्थापना से अब तक 25 लाख स्टूडेंट्स एलन से मार्गदर्शन ले चुके हैं। वर्तमान में 11 हजार से अधिक सदस्यों का परिवार है, जिसमें आईआईटीयन, डॉक्टर्स, सीए व सीएस प्रोफेशनल्स फैकल्टीज के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

यहां प्रदान किए जाने वाले अकेडमिक सपोर्ट और पर्सनल केयरिंग के माध्यम से स्टूडेंट्स अपने सपने पूरे करते हैं। एलन के दृढ़ संकल्प, ईमानदारी, प्रामाणिकता, अखंडता, प्रेरणा, सामाजिक सरोकार, सामूहिक सोच, नैतिक दायित्व, समाज और पर्यावरण के लिए चिंता के मूल मूल्य दूसरों से अलग बनाते हैं। यहां संस्कार से सफलता तक की सोच के साथ आगे बढ़ा जाता है। एलन एक्स्पर्ट फैकल्टीज और अनुभवी सिस्टम के साथ स्टूडेंट्स की सफलता के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए समर्पित और संकल्पित हैं। छात्रों को उनके सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास होते हैं।

शार्ट न्यूज

शाकिब अल-हसन बंग्लादेश के नये टेस्ट कप्तान

ढाका। बंग्लादेश के शीर्ष ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन को मोमिनुल हक के इस्तीफ़े के एक दिन बाद गुरुवार को टेस्ट टीम का नया कप्तान घोषित कर दिया गया। क्रिकबज़ के अनुसार, लिटन दास को बंग्लादेश टेस्ट टीम का उपकप्तान चुना गया है। उल्लेखनीय है कि 2019 में आईसीसी की भ्रष्टाचार-विरोधी संहिता का उल्लंघन करने के आरोप स्वीकारने के बाद पूर्व कप्तान शाकिब पर दो साल का प्रतिबंध लगा था, जिसके नतीजे में मोमिनुल को कप्तान चुना गया था। अपनी कप्तानी में मोमिनुल ने टीम को तीन टेस्ट मैच जिताए, जिसमें न्यूज़ीलैंड की ऐतिहासिक जीत भी शामिल है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में बंग्लादेश 17 में से 12 टेस्ट हारी, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे। शाकिब इससे पहले दो बार टेस्ट कप्तान रह चुके हैं। सबसे पहले 2009 के वेस्ट इंडीज़ दौरे पर मशरफ़े मुर्तज़ा के चोटिल होने के बाद उन्हें कप्तान चुना गया था। इसके बाद साल 2017 में उन्होंने मुश्फिकुर रहीम की जगह लेते हुए कप्तानी संभाली थी।

स्वपनिल ने शूटिंग विश्व कप में जीता रजत

बाकू। भारत के राइफल शूटर स्वप्निल कुसाले ने यहां चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग विश्व कप में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन पुरुष स्पर्धा में गुरुवार को रजत पदक जीता। स्वप्निल को स्वर्ण पदक के मैच में यूक्रेन के सेरही कुलिश से 10-16 से हार का सामना करना पड़ा। स्वप्निल ने क्वालिफिकेशन में 594 का प्रभावशाली स्कोर कर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने इसके बाद रैंकिंग चरण में 409.1 का स्कोर करके स्वर्ण पदक मैच के लिए क्वालीफाई किया जहां उन्हें कुलिश के हाथों शिकस्त मिली। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो पदक (एक स्वर्ण और एक रजत) हासिल किये हैं। इससे पहले इलावेनिल वालारिवन, रमिता और श्रेया अग्रवाल की तिकड़ी ने मंगलवार को महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग लेने के लिए झारखंड बालक, बालिका कुश्ती टीम पंचकूला रवाना

रांची। केंद्र सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से आगामी 4 जून से 13 जून तक हरियाणा के पंचकूला में आयोजित चौथे खेलो इंडिया यूथ गेम्स अंडर 18 के लिए झारखंड बालक बालिका कुश्ती टीम आज पंचकुला रवाना हुई। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से अलग अलग 25 खेलो में 8500 खिलाड़ी भाग ले रहे है। झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह , खेल निदेशक जिशान कमर, खेलो इंडिया के नोडल ऑफिसर प्रमोद शरण, सी.डी.एम - उपवन बाड़ा, सहित झारखड़ राज्य कुश्ती संघ के अन्य पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामना दी।

कैंसर का इलाज करवा रहे पेले ने कहा, 'जीवन एक उपहार है'

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील के दिग्गज फुटबॉलर पेले ने गुरुवार को सोशल मीडिया का रुख़ करते हुए कैंसर के खिलाफ अपनी लड़ाई में अपने परिवार के समर्थन की सराहना की। पेले ने मुस्कुराते हुए एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह परिवार के पांच सदस्यों से घिरे हुए 1970 विश्व कप ट्रॉफी की प्रतिकृति पकड़े हुए हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, हमेशा की तरह, हर छोटी जीत का जश्न मनाते हुए! मेरा परिवार मुझसे मिलने आया और मैंने यह पल आपके साथ साझा करने का फैसला किया। प्यार से घिरे होने पर यह देखना आसान है कि जीवन एक उपहार है। 81 वर्षीय पेले इस समय साओ पाउलो के बाहर गुआरुजा में अपने घर पर आराम कर रहे हैं। पिछले साल सितंबर में उनके बृहदान्त्र से ट्यूमर को हटाने के लिए सर्जरी की गयी थी, जिसके बाद से उनके नियमित कीमोथेरेपी सेशन हुए हैं। विश्व के महानतम खिलाड़ियों में से एक कहे जाने वाले पेले ने 1,363 मैचों के पेशेवर करियर में 1,281 गोल करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया, जो 21 साल तक कायम रहा। उन्होंने ब्राज़ील के लिये 91 मुकाबले खेलकर 77 गोल किये। पेले ब्राज़ील के खेल मंत्री भी रह चुके हैं।

गांगुली ने कोच, शिक्षकों के लिये लॉन्च किया ऐप

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने गुरुवार को क्लासप्लस नामक ऐप लॉन्च किया। क्लासप्लस एक एजुकेशन-टेक स्टार्टअप है जिसकी मदद से शिक्षक और कौशल-आधारित कंटेंट क्रियेटर्स अपने स्वयं के ब्रांडेड ऐप्स के साथ धन अर्जित कर सकेंगे। सौरव गांगुली ने ऐप लॉन्च करते हुए अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा, आईपीएल ने हमें कई बेहतरीन खिलाड़ी दिये लेकिन जो चीज़ मुझे प्रेरित करती है वह ये कि इन खिलाड़ियों के कोच इनकी सफ़लता के लिये खून पसीना एक कर देते हैं। सिर्फ क्रिकेट नहीं बल्कि अकादमिक, फुटबॉल, संगीत जैसे क्षेत्रों के लिये भी यह सच है। उन्होंने कहा, हम हमेशा से अभिनेताओं, खिलाड़ियों और सफ़ल व्यावसायियों का महिमामंडन करते आ रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि हम असली नायकों, कोच और शिक्षकों का महिमामंडन करें। गांगुली ने कहा, मैं सभी शिक्षकों और कोच के लिये कुछ करना चाहता हूं। आज से मैं उनका समर्थन करने के लिये उनके ट्रेडमार्क राजदूत (ब्रांड अंबेसडर) के रूप में काम करूंगा।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की खेल विकास शाखा से जुड़ सकते हैं वसीम जाफ़र

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफ़र बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की खेल विकास शाखा के साथ जुड़ सकते हैं। जहां वह अंडर-19 के खिलाड़ियों के साथ-साथ बांग्लादेश के उच्च प्रदर्शन केंद्र में भी काम करेंगे। जाफ़र इससे पहले 2019 के कुछ महीनों तक मीरपुर में बीसीबी अकादमी के साथ बतौर बल्लेबाज़ी सलाहकार भी काम कर चुके हैं। उस दौरान उन्होंने अंडर-16 और अंडर-19 के युवा खिलाड़ियों के दो समूहों के साथ काम किया था। इसके अलावा वह उच्च प्रदर्शन कमेटी के साथ भी जुड़े हुए थे। वह 2018-19 में अबाहानी लिमिटेड के लिए ढाका प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं। हाल ही में 44 वर्षीय जाफ़र ने ओडिशा की सीनिय पुरुष टीम को भी बतौर मुख्य कोच अपनी सेवा दी थी।यह चल रहे 2021-22 भारतीय घरेलू सत्र के लिए था। जुलाई 2021 में उन्हें ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा दो साल का अनुबंध दिया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान वह राज्य में कोचों के विकास कार्यक्रम का भी हिस्सा रहे थे। मार्च 2020 में एक खिलाड़ी के रूप में अपने संन्यास के बाद जाफ़र को उत्तराखंड का मुख्य कोच भी नामित किया गया था लेकिन बाद में एसोसिएशन के साथ मतभेद के बाद उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया। उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ 2019 से 2021 तक बल्लेबाज़ी सलाहकार के रूप में भी काम किया।

रूने को हराकर सेमीफाइनल पहुंचे रूड

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में चल रहे फ्रेंच ओपन में कैस्पर रूड ने होल्गर रूने को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में हराकर अंतिम चार में जगह बना ली है। नॉर्वे के रूड ने गुरुवार को कोर्ट फिलिप चेट्रिर में हुए मुकाबले में डेनमार्क के रूने को 6-1, 4-6, 7-6 (2), 6-3 से शिकस्त देते हुए अपने पहले सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मुकाबले के दौरान रूड को रूने का बार-बार फैसलों की जांच करना पसंद नहीं आया, जिसके कारण दोनों खिलाड़ियों के बीच थोड़ी कहासुनी भी हो गयी। रूड ने घटना के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने उनसे कहा, क्या तुम्हें हर निशान की जाँच करना ज़रूरी है? उन्होंने मुझे चुप रहने के लिए कहा। मैंने उनसे दोबारा सवाल किया कि शायद जब मैं आपसे बात कर रहा हूं तो मुझे चुप रहने के लिए कहना बहुत समझदार काम नहीं है? उन्होंने मुझे दोबारा चुप रहने के लिये कहा। बस इतना ही हुआ था। इसके बाद मैंने उनके साथ और शब्दों का आदान-प्रदान नहीं किया। अगर वह इस तरह बर्ताव करना चाहते हैं तो यह उनकी मर्ज़ी है। रूने ने भी रूड के साथ हुई घटना की पुष्टी की। पिछले हफ्ते से पहले रूने ने एक भी ग्रैंड स्लैम मुकाबला नहीं जीता था।

अर्जेंटीना ने 29 साल बाद जीता ला फिनालिसिमा

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में स्थित वेम्बली स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना फुटबॉल टीम ने ला फिनालिसिमा में इटली को 3-0 से मात दी।

सात बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी ने बुधवार को अर्जेंटीना के साथ 11 महीनों में अपनी दूसरी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी जीती। अर्जेंटीना के नंबर-10 के लिए यह जीत और भी खास इसलिये है क्योंकि अर्जेंटीना के लिये इससे पहले 1993 में अंतिम ला फिनालिसिमा डिएगो माराडोना ने जीता था, जो स्वयं भी नंबर-10 थे।

लुटारो मार्टिनेज और एंजेल डि मारिया के पहले हाफ के गोल ने अर्जेंटीना को इंग्लैंड को यूरो 2020 में हराकर 11 महीने बाद वेम्बली वापस आई इटली के खिलाफ पूर्ण नियंत्रण की स्थिति में डाल दिया।

उत्तर पश्चिम लंदन के स्टेडियम की 87,000 लोगों की भीड़ में अर्जेंटीना के हज़ारों समर्थकों के बीच कप्तान मेसी ने दो गोल सेट किए।

मार्टिनेज़ ने मेसी के लो क्रॉस पास की मदद से मैच के 28वें मिनट में अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी।

इसके बाद हाफ़ टाइम से ठीक पहले मार्टिनेज़ ने डि मारिया को एक पास

दिया जिसे उन्होंने इटली के गोलकीपर के सर के ऊपर से नेट में पहुंचाकर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया।

इसके अलावा पॉलो डायबाला (90+4 मिनट) ने भी अर्जेंटीना के लिये एक गोल किया।

ब्रेक से पहले इटली के लिये कुछ मौके भी बने लेकिन ब्रेक के बाद मैन ऑफ़ द मैच मेसी दूसरे हाफ़ में पूरी तरह हावी रहे।

मैच के बाद मेसी ने कहा, यह एक बेहतरीन फाइनल था। स्टेडियम अर्जेंटीना के समर्थकों से भरा हुआ था। हमने यहां जो अनुभव किया वह बेहद खूबसूरत था।

उन्होंने कहा, आज हमारा अच्छा इम्तिहान था क्योंकि इटली एक बड़ी टीम है। हमें पता था कि मुकाबला अच्छा होने वाला है और चैम्पियन बनने के लिये यह बेहतरीन मौका है।

पिछले साल 2021 कोपा अमेरिका जीतकर अर्जेंटीना ने ट्रॉफ़ी का अपना 28 साल पुराना सूखा खत्म किया था।

मैच के बाद इटली के मैनेजर रॉबर्टो मैनसिनी ने यह स्वीकार किया कि इटली को कई क्षेत्रों में सुधार करने की ज़रूरत है।

मैनसिनी ने कहा, वह हमसे अच्छा खेले। हम पहले हाफ़ में मुकाबले में बने हुए थे लेकिन ब्रेक के बाद मैच को अपनी तरफ़ पलटने में नाकामयाब रहे।

लगातार 33 वां मुकाबला जीतकर स्विटेक सेमीफाइनल में

पेरिस। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्विटेक ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जे पेगुला को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पोलैंड की स्विटेक ने कोर्ट फिलिप-चैट्रिर में बुधवार को हुए मुकाबले में अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंदी को हराकर लगातार 33वां मुकाबला जीता।

अगर स्विटेक इस हफ्ते अपना दूसरा रोलैं गैरो खिताब जीत लेती हैं तो वह 21वीं सदी में सबसे ज़्यादा लगातार जीत करने वाली खिलाड़ी बन जाएंगी। इससे पहले यह कारनामा वीनस विलियम्स ने रचा था।

स्विटेक ने जीत के बाद कहा कि वह अब भी बड़े मैचों से पहले दबाव महसूस करती हैं।

उन्होंने कहा, मैं (नर्वस महसूस) करती हूं। कभी-कभी तनाव एक सकारात्मक चीज है क्योंकि यह आपको अधिक सक्रिय बनाता है।

अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में न होने के बावजूद, स्विटेक ने मैच को एकतरफा बना दिया।

11वीं सीड पेगुला के लिए भी यह सीज़न अच्छा रहा है लेकिन वह अभी तक किसी भी सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी हैं। पिछले दो ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी वह क्वार्टरफाइनल मुकाबले में बाहर हो गई थीं।

मैच के पहले सेट में स्विटेक ने पहला गेम जीतकर दूसरे गेम में 40-0 की बढ़त बना ली, लेकिन पेगुला ने लगातार पांच पॉइंट स्कोर करते हुए बताया कि विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इतनी आसानी से नहीं जीतेंगी।

स्विटेक ने वापसी करते हुए सेट को 4-3 पर ला खड़ा किया और पेगुला के वाइड शॉट खेलने के बाद स्विटेक ने सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी पेगुला ने आठवें गेम में तीन मैच पॉइंट बचाए, मगर स्विटेक ने बेहतरीन बैकहैंड शॉट खेलते हुए सेमीफाइनल में सीट पक्की कर ली।

21 वर्षीय स्विटेक ने दो साल पहले पेरिस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था।

उन्होंने इस वर्ष चार डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल सहित लगातार पांच टूर्नामेंट जीते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल : थापा, पंघल और छह अन्य ने भारतीय मुक्केबाजी दल में स्थान पक्का किया

पटियाला। एशियाई चैंपियनशिप में पांच बार पदक जीत चुके शिव थापा और अमित पंघल ने छह अन्य मुक्केबाजों के साथ 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय पुरुष मुक्केबाजी टीम में जगह पक्की कर ली है। इन आठ मुक्केबाजों ने गुरुवार को पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में आयोजित ट्रायल के फाइनल में जीत दर्ज करने के बाद अपना स्थान हासिल किया।

अनुभवी मुक्केबाज थापा ने जहां 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीत चुके मनीष कौशिक को 5-0 से हराकर 63.5 किग्रा भार वर्ग से लिए स्थान सुरक्षित किया वहीं 2019 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता रहे पंघल ने 51 किग्रा भार वर्ग में खुद के लिए स्थान सुरक्षित करने के लिए सर्विसेज के मुक्केबाज दीपक को 4-1 से हराया।

अमित और शिवा थापा के अलावा ट्रायल के अंतिम दिन बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय दल में अपनी जगह पक्की करने वाले अन्य छह मुक्केबाजों में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), रोहित टोकस (67 किग्रा), राष्ट्रीय चैंपियन सुमित (75 किग्रा)), आशीष कुमार (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और सागर (+92 किग्रा) शामिल हैं।

बर्मिंघम में 28 जुलाई से 8 अगस्त तक होने वाले 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में जगह बनाने के लिए आयोजित तीन दिवसीय ट्रायल्स में मुक्केबाजों ने आठ अलग-अलग श्रेणियों में मुकाबला किया।

2015 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले थापा ने आसान जीत हासिल करने की राह में शुरुआत से ही मनीष पर दबाव डाला, जबकि दूसरी ओर, पंघल और दीपक ने पूरे बाउट में जमकर संघर्ष किया। इन दोनों ने करीबी रेंज से मुक्कों का आदान-प्रदान किया, लेकिन पंघल ने अंततः अपने अनुभव का उपयोग करते हुए जीत हासिल की।

57 किग्रा भार वर्ग में, हुसामुद्दीन ने 2019 एशियाई चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता कविंदर सिंह बिष्ट के खिलाफ 4-1 से जीत हासिल की। हुसामुद्दीन ने साफ-सुथरी और तकनीकी रूप से सक्षम मुक्केबाजी का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि रेलवे के मुक्केबाज रोहित ने उत्तर प्रदेश के आदित्य प्रताप यादव को वेल्टरवेट वर्ग में 3-2 से हराकर अपने लिए सीट आरक्षित किया।

दिन का एक और आकर्षण मुकाबला सागर और मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन नरेंद्र के बीच हुआ। 92 किग्रा भार वर्ग के इस फाइनल में सागर ने नरेंद्र के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। पूरे ट्रायल में सागर ने काफी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और इस दौरान सेमीफाइनल में उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाले सतीश कुमार को भी हराया था।

फाइनल मुकाबले को पूरे आत्मविश्वास से शुरू करते हुए, सागर ने शुरू से ही आक्रामक रुख दिखाया और एकतरफा अंदाज में 5-0 से विजयी हुए। पूरे मुकाबले के दौरान सागर ने नरेंद्र पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रखा था।

बाकी के मुकाबलों में सुमित, आशीष और संजीत को प्रभावशाली जीत मिली।

सुमित और आशीष ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को जहां एकतरफा अंदाज में 5-0 के अंतर से हराया वहीं संजीत ने 92 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में नवीन कुमार को 4-1 से हराकर बर्मिंघम का टिकट कटाया।

भारतीय मुक्केबाजों ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण और इतने ही रजत तथा कांस्य पदक सहित नौ पदक जीता था। भारतीय दल पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा था।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिलाओं का ट्रायल अगले सप्ताह नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होगा।

श्रीलंका को भारत देगा खाद ताकि फसल न हो बर्बाद

कोलंबो। भारत ने भोजन की कमी से बचने के लिए श्रीलंका को उर्वरक आपूर्ति का भरोसा दिया है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे के ऑफिस ने बताया है कि भारत ने श्रीलंका को उर्वरक आपूर्ति का आश्वासन दिया है ताकि कर्ज में डूबे देश को फसल के नुकसान और सबसे खराब आर्थिक संकट से होने वाली गंभीर खाद्य कमी को दूर करने में मदद मिल सके।

राजपक्षे बोले मोदी ने दिया था आश्वासन

राष्ट्रपति राजपक्षे ने अगले फसल कटाई के मौसम की आवश्यकताओं पर सिंचाई अधिकारियों के एक समूह के साथ बात करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें अगले खेती के मौसम के लिए उर्वरक आपूर्ति का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि

भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत आपूर्ति की जाएगी और खेप के कोलंबो पहुंचने के 20 दिनों के भीतर वितरित की जाएगी।

50 फीसद फसल का हो गया था नुकसान

खेती में गिरावट के बाद कृषि बाजार में किसी भी व्यवधान से बचने के लिए श्रीलंका अपने कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने का लक्ष्य बना रहा है। बता दें कि याला श्रीलंका में धान की खेती का मौसम है जो मई से अगस्त के बीच रहता है। श्रीलंकाई सरकार ने पिछले साल ऑर्गनिक कृषि की ओर चरणबद्ध परिवर्तन के तहत रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध लगा दिया था। बाद में ऑर्गनिक उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति की कमी से कृषि उत्पादन, विशेष रूप से चावल और चाय बुरी तरह से प्रभावित हुए और करीब 50 फीसद फसल के नुकसान के कारण भोजन की कमी का कारण बना।

गोताबाया राजपक्षे ने मानी थी गलती

गोताबाया राजपक्षे ने कुछ हफ्ते पहले स्वीकार किया था कि रासायनिक उर्वरकों को 100 फीसद आर्गेनिक करने पर प्रतिबंध लगाने का उनका फैसला गलत था। किसानों ने चेतावनी दी है कि देश में चल रहे आर्थिक संकट में मध्य अगस्त तक भोजन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि पिछले महीने, भारत ने श्रीलंका को धान की खेती के लिए तुरंत 65,000 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति करने का आश्वासन दिया था।

श्रीलंका की लगातार मदद कर रहा है भारत

श्रीलंकाई हाई कमीशन ने एक बयान में कहा कि भारत से यूरिया के निर्यात पर प्रतिबंध के बावजूद भारत सरकार ने श्रीलंका सरकार के अनुरोध पर श्रीलंका को यूरिया की आपूर्ति करने का फैसला किया है। भारत ने कर्ज में डूबे श्रीलंका को इस साल जनवरी से कर्ज, क्रेडिट लाइन और क्रेडिट स्वैप के जरिए 3 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक की मदद की है।

रामफोसा ने किया है 40 लाख डॉलर का गबनः फ्रेजर

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सुधार सेवा के पूर्व राष्ट्रीय आयुक्त आर्थर फ्रेजर ने राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के खिलाफ 40 लाख डॉलर के गबन का आरोप लगाया है। फ्रेजर के एक बयान को अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य कार्ल निहौस ने ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने कहा, यह आरोप लिम्पोपो के वाटरबर्ग में राष्ट्रपति के फाला फाला फार्म के परिसर के भीतर छुपाए गए लाखों अमेरिकी डॉलर, (40 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक) की चोरी से उत्पन्न होते हैं, जिसे अपराधियों द्वारा उनके श्री रामफोसा) के घर में काम करने वाले नौकरों के साथ मिलकर चुरा रहे थे। न्याय को समाप्त होने से रोकना चाहिए, संदिग्धों को पकड़ा जाना चाहिए, उनकी संपत्ति और रिश्वत पर पूछताछ होनी चाहिए।

अमेरिका को चीन की धमकी, ताइवान से व्यापार बातचीत बंद करने की मांग

एजेंसी

बीजिंग। ताइवान मसले पर चीन और अमेरिका एक बार फिर भिड़ते नजर आ रहे हैं। चीन ने ताइवान और अमेरिका के बीच एक नई व्यापार पहल का कड़ा विरोध किया है। चीनी वाणिज्य और विदेश मंत्रालय ने वाशिंगटन को चेतावनी दी है कि यदि समझौता हुआ और यह अलगाववादियों को गलत संदेश भेज रहा है तो नतीजे भुगतने होंगे।

अमेरिका और ताइवान ने 1 जून को 21 वीं सदी के व्यापार पर अमेरिका-ताइवान पहल की घोषणा की। इसके कुछ ही दिनों बाद बाइडेन प्रशासन ने ताइपे को इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क से बाहर रखा, जिसमें भारत भी शामिल है, जिसे बीजिंग के बढ़ते

प्रभाव का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता गाओ फेंग ने कहा है कि अमेरिका को ताइवान के अलगाववादियों को गलत संदेश भेजने से बचने के लिए ताइवान के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को समझदारी से संभालना चाहिए। चीन हमेशा किसी भी देश और चीन के ताइवान क्षेत्र के बीच किसी भी प्रकार के आधिकारिक आदान-प्रदान का विरोध करता है, जिसमें संप्रभु अर्थों और आधिकारिक प्रकृति के साथ किसी भी आर्थिक और व्यापार समझौते पर बातचीत और हस्ताक्षर करना शामिल है।

अमेरिका का क्या कहना है?

इससे पहले एक बयान में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने कहा कि दोनों पक्ष बढ़िया गति से काम करेंगे। हम उच्च-मानक प्रतिबद्धताओं और आर्थिक रूप से सार्थक परिणामों के साथ समझौतों तक पहुंचने के लिए वार्ता के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप विकसित करेंगे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इस समझौते से अमेरिका और ताइवान के बीच आर्थिक सहयोग के लिए और अधिक जगह खुलेगी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने माली में शांति सैनिकों पर हमले की जांच की मांग की

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने माली अधिकारियों से वहां पर युक्त राष्ट्र बहुआयामी एकीकृत स्थिरीकरण मिशन (एमआइएनयूएसएम) के एक रसद काफिले पर बुधवार के हमले की जांच करने और अपराधियों की पहचान कर उन्हें सजा दिलाने मांग की है। माली के उत्तरी पूर्वी हिस्से के शहर किडल में कल रसद काफिले पर हुये हमले में एक शांति सैनिक की मौत हो गयी थी। गुटेरेस ने बुधवार को जारी बयान में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को लक्षित कर हमला करने वाले अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध हो सकते हैं। उन्होंने माली के अधिकारियों से इस हमले में शामिल लोगों की पहचान में कोई कसर नहीं छोड़ने का आग्रह किया। इसके अलावा संरा महासचिव ने हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के रिश्तेदारों और जॉर्डन के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने हमले में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। माली में सरकारी सुरक्षा बलों और अलगाववादियों, इस्लामी समूहों के बीच वर्ष 2012 से जारी संघर्ष के बाद एमआइएनयूएसएम 2013 से वहां काम कर रहा है। इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने फैसला लिया था कि माली में राजनीतिक स्थिरता के लिए अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की जरुरत है।

श्रीलंका में भारी बारिश से एक की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि गुरुवार सुबह देश के कई हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान से 12,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए और इसके साथ एक व्यक्ति की मौत हो गई। बारिश से प्रभावित लोग रत्नापुरा, कैंडी, कालूतारा, गम्पाहा, कोलंबो और मतारा जिलों के 2,672 परिवारों के हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के सहायक निदेशक प्रदीप कोडिपिली ने कहा कि सबसे ज्यादा प्रभावित जिला गम्पाहा है, जहां 2,448 परिवारों के 8,517 लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि मृतक एक आपदा राहत अधिकारी था, जिसकी तेज धाराओं में बह जाने से मृत्यु हो गई। पिछले एक सप्ताह में इस दक्षिण एशियाई देश के कई हिस्सों में भारी बारिश की सूचना है। मौसम विभाग ने घोषणा की कि देश में इस सप्ताह के दौरान बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी और चेतावनी दी कि बाढ़ का खतरा जारी रहेगा।

चीन में भूकंप के जोरदार झटके, चार की मौत

चेंगदू। दक्षिण-पश्चिमी चीन में सिचुआन प्रांत के याआन शहर में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। शहर के भूकंप राहत मुख्यालय ने गुरुवार को बताया कि बुधवार शाम में महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.1 मापी गयी। मुख्यालय ने प्रेस वार्ता में बताया कि गुरुवार सुबह नौ बजे तक बाओक्सिंग काउंटी में 34 और लुशान काउंटी में 11 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। भूकंप से याआन में 13081 लोग प्रभावित हुए हैं। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार भूंकप बीजिंग के समयानुसार बुधवार को शाम 5 बजे महसूस किए गए और इसका केंद्र घरती की सतह से 17 किलोमीटर की गहराई में 30.4 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 102.9 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

ब्रिटेन यूक्रेन को मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम भेजेगा

लंदन। ब्रिटेन यूक्रेन को रूस के खिलाफ लड़ने में मदद के लिए मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम भेजेगा। ब्रिटेन के रक्षा सचिव बेन वालेस ने कहा कि यूक्रेनी सेनाओं की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वह 80 किलोमीटर की दूरी तक मारक क्षमता वाले एम 270 मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम भेजेगा। जिससे यूक्रनी सेना की क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होगी। रक्षा सचिव ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ खड़ा है और जरुरत पड़ने पर उसने महत्वपूर्ण हथियारों की आपूर्ति करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित

संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार [illegible]पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने [illegible]नों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

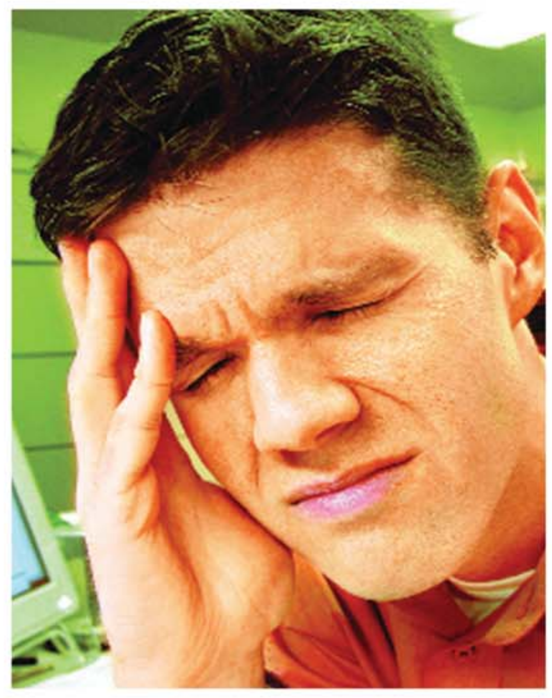

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।

घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।

मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।